@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 18 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 224 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'भारत का इतिहास गुलामी का नहीं'

• बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है - मोहन भागवत

एजेंसी

उदयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है। भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का संघर्ष नहीं था बल्कि यह पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्य और मुगल इतिहासकारों के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी की विजय महाराणा प्रताप की थी। भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय की 450वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' ??को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और

गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र उन महान हस्तियों को याद रखता है, जिन्होंने आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल साम्राज्य सेना के आकार, संसाधनों और शस्त्रों के मामले में श्रेष्ठ था। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन थे, धन की कमी थी और उनकी सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय समाज ने कभी भी आसानी से अधीनता स्वीकार नहीं की है। जब भी किसी आक्रमणकारी ने इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, प्रतिरोध की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो गई। विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं को समय-समय पर एक विशिष्ट कथा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के वृत्तांतों में स्वयं यह उल्लेख है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। यदि मुगल सेना को संघर्ष के विभिन्न चरणों में निरंतर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वे भय और असुरक्षा की स्थिति में रहे, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तव में विजय किसकी हुई।

युद्ध की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि प्रारंभिक आक्रमण के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। दूसरे चरण में, महाराणा प्रताप की सेना के शौर्य का ऐसा प्रभाव पड़ा कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति हुई। युद्ध के तीसरे चरण के बाद, मुगल सेना की हालत ऐसी हो गई थी कि वह खुलेआम आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी और उसने आत्मरक्षा पर ही ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने चेतक के असाधारण साहस और युद्ध कौशल की भी प्रशंसा की।

बंगाल के बांकुड़ा में तृणमूल कांग्रेस को झटका

मेयर अलका सेन मजूमदार ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार झटके लगने के बीच बांकुड़ा नगरनिगम की अलका सेन मजूमदार ने अचानक मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को वह बांकुड़ा जिला एसडीओ को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस घटना को लेकर जिले की राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं।

इस्तीफे के बाद अलका सेन मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी थी, उसे उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और संगठन के निर्णय का सम्मान करते हुए मेयर पद से इस्तीफा दिया है।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी, वह उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगी। अलका सेन मजूमदार ने वर्ष 2022 में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में नगरनिगम बोर्ड के गठन के बाद मेयर का पद संभाला था। उनके कार्यकाल के दौरान बांकुड़ा नगरनिगम कई बार विवादों

और राजनीतिक खींचतान के कारण चर्चा में रहा। नगरनिगम बोर्ड के भीतर मतभेद, पार्षदों की नाराजगी और प्रशासनिक फैसलों को लेकर उठे सवालों ने कई बार संगठन और प्रशासन के सामने चुनौतियां खड़ी कीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे समय में मेयर का इस्तीफा कई सवाल खड़े करता है, जब राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, अलका सेन मजूमदार ने अपने इस्तीफे को पूरी तरह व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा बताया है, लेकिन विपक्षी दल इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी बांकुड़ा नगरनिगम के नए मेयर के रूप में किसे जिम्मेदारी सौंपती है और क्या यह इस्तीफा केवल व्यक्तिगत कारणों तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है।

जी-7 समिट - पीएम मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज की अहम मुलाकात

व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

एवियन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फ्रांस के एवियन में जी7 समिट के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को अधिक मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। चांसलर मर्ज ने प्रधानमंत्री को इस साल के आखिर में जर्मनी में होने वाली 8वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी बातचीत (आईजीसी) के लिए आमंत्रित किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने व्यापार और

निवेश, रक्षा और सुरक्षा, हरित और टिकाऊ विकास, तकनीक, इनोवेशन, शिक्षा और आवाजाही के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर और जर्मनी से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रांजिट वीज़ा छूट को लागू करने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इनमें पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस-यूक्रेन संघर्ष शामिल हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए बनी सहमति का भी स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि भारत और जर्मनी 2026 में अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात है।

बदायूं में हाईवे पर ट्रैक्टरों ने ई रिक्शा सवारों को रौंदा, छह महिलाओं की मौत

निर्माणाधीन हाइवे पर रेस लगाने के दौरान हुआ हादसा, दोनों चालक फरार

एजेंसी

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं।

घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और एसएसपी अंकिता शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। डीएम ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में यह पता चला है कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने

घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाली महिलाओं की पहचान कछला की मुरावन मोहल्ला निवासी राजकुमारी (55), गंगाश्री व रेवती (80), प्रेम देवी (45) नारायणी देवी (32) और आरती के रूप में हुई है। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32), डाल सिंह (58) समेत तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बदायूं में हुए भीषण पर पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होगा यूसीसी विधेयक : मोहन यादव

'भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा'

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह विधेयक इसी सत्र में पारित हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण और समसामयिक विषयों को लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक समान कानून लागू करने की भावना में कुछ भी गलत नहीं है और यह समाज में समानता लाने का प्रयास है। उत्तराखंड, गुजरात और असम जैसे राज्यों में यूसीसी लागू

किया जा चुका है। मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। समान नागरिक संहिता को विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें जनजातीय समुदाय अलग रहेगा। कमेटी राय ले रही है। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इस कानून को लागू करने वाला राज्य बन जाएगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में समान नागरिक संहिता की व्यवहारिकता जांचने और इसका मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, कानूनी विशेषज्ञ अनूप नायर, शिक्षाविद् गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धपाल सिंह को शामिल किया गया है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर करीब 5 करोड़ रुपये की क्रिस्टल मेथ बरामद

तस्कर पार्सल छोड़कर फरार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग लगभग पांच करोड़ मूल्य की मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ) की खेप जब्त की है। यह मादक पदार्थ एक लावारिस पार्सल से बरामद किया गया, जिसे विदेश भेजे जाने की योजना थी। घटना के बाद पार्सल छोड़कर फरार हुए लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को एक संदिग्ध लावारिस पार्सल मिला। संदेह होने पर जब उसकी गहन जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में क्रिस्टल मेथ छिपी हुई पाई गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया और

विस्तृत जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप कार्गो विमान के माध्यम से मलेशिया भेजी जानी थी। मामले के खुलासे के बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों और कार्गो सामान की जांच को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच की बढ़ती सख्ती के कारण तस्कर पार्सल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद हवाई अड्डे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों के यात्रा विवरण और अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा समीक्षा करने केंद्रीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल 20-21 जून को जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतजामों की समीक्षा करेगी

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा, ताकि सुरक्षा और दूसरे इंतज़ामों की समीक्षा की जा सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी समेत बड़े सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के डायरेक्टर जनरल और सीनियर ऑफिसर के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो और होम मिनिस्ट्री के सीनियर ऑफिसर भी शामिल होंगे। यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतज़ामों की समीक्षा करेगी, जो 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के मौके पर संपन्न होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक लगभग 90 प्रतिशत सुरक्षा बलों की तैनाती की जा चुकी है, जबकि बाकी टुकड़ियां 20 जून से पहले अपनी-अपनी जगहों पर पहुंच जाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 670 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, जिसमें से ज़्यादातर जवान कश्मीर घाटी में तैनात किए गए हैं, ताकि मल्टी-लेयर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मज़बूत किया जा सके। अभी श्रीनगर शहर के साथ-साथ अनंतनाग और गांदरबल दोनों रूट पर सिक्योरिटी ड्रिल की जा रही हैं। श्रीनगर शहर में होटलों और दुकानों की तलाशी ली जा रही है। हर आने-जाने वाले की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी कई समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। यात्रियों के आने और यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में लगातार बढ़ोतरी के साथ अधिकारियों को इस साल भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

हर विधानसभा क्षेत्र में 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' खोले जाएंगे: मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के अरुतला में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस राज्य द्वारा संचालित 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' (टीपीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में एक टीपीएस स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये स्कूल छात्रों को खेलों का प्रशिक्षण भी देंगे ताकि भविष्य में भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो सकें। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कक्षाओं में निहित है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच से सजे महलों या रंगीन दीवारों में नहीं है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह कक्षाओं में निहित है। मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अरुतला टीपीएस को तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को समर्पित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी भावना को राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 27 लाख छात्रों के लाभ के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने विद्यालय परिसर का दौरा कर डिजिटल कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और छात्रों के साथ नाश्ता किया।

'एक देश, एक चुनाव', 'स्वदेशी' और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

'आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है'

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित 'प्रबुद्ध सम्मेलन' को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा 'कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता' मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

मंदिर, मस्जिद, मजार पर चला बुलडोजर

आगरा (एजेंसी)। आगरा में बुधवार को प्रशासन ने तालाब की जमीन पर बने मंदिर, मस्जिद और मजार को बुलडोजर चलाकर हटा दिया। करीब तीन घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान पुलिस बल और पीएसी के करीब 500 जवानों की तैनाती रही। प्रशासन ने कोर्ट और एनजीटी के आदेश का हवाला देते हुए तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। मामला सदर तहसील के अंगूठी गांव का है। यहां करीब 22.5 बीघा भूमि राजस्व अभिलेखों में तालाब के रूप में दर्ज है। आरोप था कि इस जमीन पर मंदिर, मस्जिद और मजार बनाकर कब्जा कर लिया गया था। ग्रामीणों की शिकायत और कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। बुलडोजर सबसे पहले मंदिर, फिर मस्जिद और अंत में मजार पर चला। प्रशासन के अनुसार, तालाब को अमृत सरोवर योजना के तहत विकसित किया जाना है। धार्मिक ढांचे होने के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। ग्रामीण लंबे समय से भूमि खाली कराने की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई न होने पर मामला कोर्ट और बाद में एनजीटी तक पहुंचा।

बस-ट्रक की टक्कर, 6 की मौत, 31 घायल

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया।

डीएफसी कॉरिडोर पर मालगाड़ी के डिब्बे में लगी भीषण आग

-चार दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में बुधवार को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर खड़ी एक मालगाड़ी के डिब्बे में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में डिब्बा पूरी तरह इसकी चपेट में आ गया और आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार छा गया। धुएं और आग की लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई देने लगीं, जिससे आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। मीडिया रिपोर्ट से प्राप्त जानकारी अनुसार, थाना लाइनपार क्षेत्र के रूपसपुर के निकट बुधवार शाम करीब चार बजे डीएफसी लाइन पर खड़ी मालगाड़ी के एक डिब्बे से धुआं निकलता दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य घटना समझा, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया।

चार दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे तक चले अभियान के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान प्रशासन की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहीं ताकि आग अन्य डिब्बों या आसपास के क्षेत्र में न फैल सके।

पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियां पहुंचीं मौके पर

आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया और लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा गया। अधिकारियों ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था भी की।

जनहानि नहीं, यात्री रेल सेवाएं प्रभावित नहीं

प्रशासन के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। चूंकि आग मालवाहक कॉरिडोर पर लगी थी, इसलिए सामान्य यात्री रेल सेवाओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन और संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लेह में ड्यूटी के दौरान पंजाब का जवान शहीद, 5 महीने पहले हुई थी शादी

लेह (एजेंसी)। लेह में देश की सेवा करते हुए पंजाब के एक वीर जवान नायक सरबजीत सिंह शहीद हो गए। वे पंजाब आर्मर्ड रेजिमेंट का हिस्सा थे और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्र में तैनात थे। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान अचानक ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव बिंदरख निवासी नायक सरबजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह का विवाह इसी वर्ष 25 जनवरी को ही हुआ था। शादी के मात्र पांच महीने बाद उनके शहीद होने की खबर से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। इस दुखद समाचार के बाद गांव बिंदरख सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। शहीद के ताऊ सुखविंदर सिंह ने बताया कि सरबजीत सिंह का पार्थिव शरीर जल्द ही उनके पैतृक गांव लाया जाएगा, जहाँ पूर्ण राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। देश की रक्षा में दिए गए इस सर्वोच्च बलिदान पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए वीर सपूत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राम मंदिर ट्रस्ट के दस्तावेजों में चौंकाने वाला खुलासा : दान से ज्यादा ब्याज, बेहिसाब खर्च

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के दस्तावेजों से चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। बीते 11 महीनों में मंदिर को श्रद्धालुओं से जितना चढ़ावा मिला है, उससे अधिक बैंक में जमा ट्रस्ट के फंड पर ब्याज मिल गया है। यह खुलासा ट्रस्ट की वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दस्तावेजों से सामने आया है कि गड़बड़ियां केवल चढ़ावे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये उन बेहिसाब खर्चों तक फैली हुई हैं जिनकी पूरी जानकारी ट्रस्ट के कुछ सदस्यों और पदेन पदाधिकारियों को कभी नहीं दी गई।

अमरनाथ यात्रा में आने वाले लाखों श्रद्धालु कश्मीर के मेहमान: महबूबा

-3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी यात्रा

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कश्मीर का मेहमान बताया है। उन्होंने पहलगाम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि यह यात्रा भारत में कश्मीर के बारे में फैली घृणा और अविश्वास को समाप्त करने का मौका है। मुफ्ती ने सुरक्षा बलों के साथ-साथ पूरे कश्मीरी लोगों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रियों के प्रति प्यार, सौहार्द और अतिथि सत्कार की भावना दिखाने की अपील की। उनके अनुसार, प्रत्येक श्रद्धालु के साथ मानवीय व्यवहार ही कश्मीर और मुसलमानों के विरुद्ध गलतफहमियों का मुकाबला कर सकता है और कश्मीरियत की भावना को दिखा सकता है।

करोड़ों शिव भक्तों की आस्था का केंद्र श्री बाबा अमरनाथ की यात्रा भारत की एकता-अखंडता की प्रतीक है। इस पवित्र गुफा की पुनर्खोज बूटा मोहम्मद नामक एक नेक दिल मुस्लिम गुज्जर ने की थी, और आज भी चढ़ावे का एक हिस्सा उनके परिवार को दिया जाता है, जो गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है।

इस वर्ष यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को सम्पन्न होगी, जो कुल 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे 'नुनवान-पहलगाम मार्ग' और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे 'बालटाल मार्ग' का उपयोग करने वाले है। यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के सभी धर्मों के लोगों को एक भावात्मक बंधन में बांधने व भाईचारा मजबूत करने के साथ स्थानीय लोगों जैसे घोड़े, पिट्ठू, पालकी वालों, शिकारा चलाने वालों और होटल मालिकों के लिए कमाई का प्रमुख साधन भी है। इससे राज्य सरकार को भी करोड़ों रुपयों की आय होती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा मार्ग के अलावा प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसके लिए पोर्टेबल जैमर, डीप सर्च मैटल डिटैक्टर और विस्फोटक डिटैक्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण तैनात किए हैं। अतीत में हुए आतंकवादी हमलों को देखकर इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। आशा है कि महबूबा मुफ्ती के इन उद्गारों के अनुरूप इस वर्ष की यात्रा शांति और सफलता के साथ सम्पन्न होगी।

राहुल गांधी मानहानि केस : सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में बहस टली, अब 29 जून को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में बुधवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में होने वाली बहस टल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 29 जून की तारीख तय की है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान परिवादी (शिकायतकर्ता) पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत को सूचित किया कि राहुल गांधी के वॉयस सैंपल (आवाज के नमूने) संबंधी अर्जी को खारिज किए जाने के खिलाफ एक पुनरीक्षण याचिका सत्र न्यायालय में विचाराधीन है। इस कानूनी प्रक्रिया के चलते बुधवार को मामले में आगे बहस नहीं हो सकी, जिसके बाद अदालत ने 29 जून की नई तिथि नियत कर दी। यह पूरा विवाद साल 2018 का है, जब कर्नाटक के बंगलुरू में आयोजित एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी से आहत होकर भाजपा नेता विजय मिश्र ने सुल्तानपुर की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मानहानि वाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही सुल्तानपुर की अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जमानत (ठंपस) करा चुके हैं। इसके साथ ही दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अदालत में उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब सभी की नजरें 29 जून को होने वाली अगली सुनवाई और बहस पर टिकी हैं।

राम मंदिर के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मस्थान में दान घोटाले का आरोप

मथुरा (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के एक सदस्य ने मथुरा स्थित मंदिर में दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बुधवार को मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की और दावा किया कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान से जुड़े कथित गबन जैसी स्थिति यहां भी हो सकते हैं। ये आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने आरोपों को निराधार करार दिया है।

दिनेश फलाहारी महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली दान राशि और आभूषणों का वर्षों से दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दान की गिनती के दौरान सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। उनका दावा है कि समिति के कुछ सदस्यों ने निजी संपत्ति अर्जित की है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। फलाहारी महाराज ने कहा कि हमें आशंका है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान में भी इसी (श्रीराम जन्मभूमि मंदिर) तरह की अनियमितताएं हो रही हैं। मामले की सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई तो वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

इस बीच, आरोपों को खारिज करते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि मंदिर में दान के प्रबंधन के लिए पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाती है और संस्थान किसी भी जांच के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ये आरोप निराधार हैं। हम किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि दान की गिनती की प्रक्रिया तीन कर्मचारियों की मौजूदगी में सीसीटीवी निगरानी के तहत की जाती है और इस कार्य में लगे कर्मचारियों की समय-समय पर अदला-बदली भी की जाती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हम व्यवस्था को और आधुनिक बना रहे हैं तथा सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के बाहर कोई दान काउंटर नहीं है और सारा चढ़ावा मंदिर परिसर के भीतर ही स्वीकार किया जाता है।

यूबीटी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलों के बीच संजय राउत ने सांसदों को खरीदने का लगाया आरोप, किया दावा

-हर सांसद को दिए जा रहे 15 करोड़ एडवांस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को बड़ा झटका लगने की खबरें सामने आ रही है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा है कि यूबीटी के सात लोकसभा सांसद पाला बदल सकते हैं। ये सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेताओं के संपर्क में हैं और जल्द ही शिंदे दोबारा से उद्धव गुट पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकते हैं। इसे ऑपरेशन टाइगर नाम दिया गया है। इस बीच यूबीटी के सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है, जिसमें एक बड़ा दावा किया जा रहा है।

संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र के सांसदों को पाला बदलने के लिए 15-15 करोड़ रुपए ऑफर किए जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'अपना सपना मनी मनी! महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए हर एक को 15-15 करोड़ रुपए एडवांस दिए जा रहे हैं। यह जानकारी चौंकाने वाली और घिनौनी है!! सांसद ने इस पोस्ट को बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस को टैग भी किया है।

राउत के दावे से पाला बदलने की अटकले तेज

खास बात ये है कि संजय राउत लगातार इस बात का खंडन कर रहे थे कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और कोई कहीं नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा था कि हम ऑपरेशन वुल्फ करेंगे। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन टाइगर महज एक अफवाह है। लेकिन अब राउत की इस पोस्ट से साफ जाहिर हो रहा है कि राज्य में कुछ बड़ा खेला होने वाला है। पार्टी भले ही एकजुटता की बात करे लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

उद्धव के सांसद दिल्ली में मौजूद

इस बीच खबर है कि शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई से दिल्ली पहुंच गए हैं। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिंदे का दिल्ली दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इधर उद्धव गुट के भी कुछ सांसद दिल्ली में दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे शिरडी से दिल्ली आए हैं। बताया जा रहा है कि कल ही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया था और संगमनेर में आयोजित सप्ताह कार्यक्रम में भी मौजूद रहे थे। हालांकि अचानक दिल्ली रवाना होने के बाद उनके दौरे को लेकर कई तरह की राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

6 सांसदों के अलग गुट बनाने की चर्चा

वहीं शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के तीन सांसद अनिल देसाई, संजय राउत और अरविंद सावंत भी दिल्ली पहुंचे हैं। खबर है कि आज तीनों सांसद मीडिया से बात करेंगे। वहीं उद्धव ठाकरे के सांसद नागेश आस्तिकार भी दिल्ली आ गए हैं। वहीं परभणी सांसद संजय उर्फ बंधु जाधव और यवतमाल वाशिम सांसद संजय देशमुख के भी दिल्ली आने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक यूबीटी के 9 में से 6 सांसद अलग गुट बनाएंगे। खबर है कि ये सांसद एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

रांची में संघ कार्यालय पर बदमाशों ने फेंके पेट्रोल बम, एक फटा, घटना कैमरे में कैद

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दफ्तर पर हमला हुआ है। यहां बदमाशों ने पेट्रोल बम से हमला किया और भाग गए। इस घटना की तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। बदमाशों की तस्वीर से उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि अपराधियों ने कार्यालय में दो पेट्रोल बम फेंका जिसमें एक फटा। इस वारदात को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी खंगाल रही है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति जाते दिखा। इस मामले पर बात करते हुए झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आरएसएस के दफ्तर में रात साढ़े 12 बजे 2 लड़के 2 बार आते हैं एक बार ऊपर पेट्रोल बम फेंकते हैं जो फटता है, और फिर नीचे चलाते हैं। फिर आराम से लौट जाते हैं। मरांडी ने कहा कि मामला गंभीर है। संघ के ऑफिस में इस प्रकार से हमला होना एक प्रकार से बड़ी घटना को राज्यभर में अंजाम देने की तैयारी थी। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

अकाल तख्त के फैसले के बाद भगवंत मान पर गहराया नैतिक संकट, इस्तीफे की मांग तेज

राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, मान को अपने पद रहने का नैतिक अधिकार नहीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर वीडियो विवाद को लेकर गहरा नैतिक संकट छा गया है, जिसमें सिख धर्म और उसकी सम्मानित हस्तियों का कथित तौर पर अनादर हुआ है। इस मामले में सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा दिए गए फैसले के बाद बीजेपी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा है कि मान को अपने पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

सांसद चुघ ने याद दिलाया कि जब यह वीडियो कई महीने पहले पहली बार सामने आया था, तब मुख्यमंत्री मान ने वीडियों को बनावटी बताकर खारिज किया था। उन्होंने दावा किया था कि इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाया गया है। सीएम मान ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सामने पेश होकर चुनौती दी थी कि किसी सक्षम एजेंसी से वीडियो की जांच कराई जाए, क्योंकि उनका मानना था कि यह नकली है। इस तरह मान ने अपनी विश्वसनीयता को इस जांच के नतीजे पर टिका दिया था।

हालांकि, 15 जून को पंथिक हस्तियों, संस्थाओं और सिख संगठनों के साथ हुई बातचीत में सारी सच्चाई सामने आ गई। चुघ के अनुसार, वीडियो को देश की दो मान्यता प्राप्त फोरेंसिक प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजा गया था, और दोनों ने बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला कि वीडियो पूरी तरह असली था, उसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी और वह एआई से नहीं बनाया गया था। इस तरह जिस जांच के लिए भगवंत मान ने खुद कहा था, वहीं आज उनके अपने ही आचरण के खिलाफ एक गंभीर आरोप बन गया है। इन नतीजों के आधार पर, सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने मान को गुरु-द्रोही और पंथ-विरोधी करार दिया। साथ ही, सिख संगत को उनका सामाजिक बहिष्कार करने की सलाह दी। इस अभूतपूर्व निंदा ने दुनिया भर में नानक नाम लेवा संगत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और एक ऐसी नैतिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी है जिसका सामना पहले किसी मुख्यमंत्री को नहीं करना पड़ा था।

भारत की अफगानिस्तान को मानवीय मदद, 'पाकिस्तान समर्थक तिलमिलाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपने पड़ोसी अफगानिस्तान को बड़ी मदद की है। संकटग्रस्त अफगानिस्तान को भारत से 5 टन आवश्यक दवाइयों की एक और खेप काबुल पहुंची है। एक मित्र राष्ट्र के तौर पर भारत द्वारा दी जा रही मदद की सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना की जा रही है। हालांकि, कुछ पाकिस्तान समर्थक तत्वों को यह मानवीय कार्य रास नहीं आ रहा है, जिससे वे अपनी कुंठा सोशल मीडिया पर निकाल रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस सहायता की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया, दूर के दोस्त ना रहें, पड़ोसी रहने चाहिए सबसे पहले, इस भावना को उजागर कर भारत ने अफगानिस्तान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस पहल को ज्यादातर सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब सराहा है, जहां सैयद गुलाम रिजवी जैसे हैंडल ने पड़ोसियों के साथ मजबूत संबंधों की वकालत की है, वहीं कई अन्य ने भारत के इस कदम को बहुत अच्छे, जरूरतमंदों की मदद करते रहें जैसे शब्दों से सराहा है। हालांकि, भारत की मानवीय पहल से कुछ पाकिस्तान समर्थक लगने वाले लोग बेहद नाखुश हैं। सोशल मीडिया पर हैंडल ने भारत पर इसके माध्यम से दक्षिण एशिया में आतंकवाद को संरक्षण देने तक का आरोप लगाया, और लिखा कि सत्ता की भूख ने भारतीयों को बहुत ही नीचे गिरा दिया है।

भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट नीति पर लगातार काम कर रहा है और अफगानिस्तान के साथ-साथ नेपाल, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों के संकट में भी हमेशा खड़ा रहा है। अफगानिस्तान के लिए यह केवल नवीनतम सहायता है। इसी महीने भारत ने वहां के स्वास्थ्य तंत्र के लिए वेंटिलेटर, कार्डियोग्राफ और नवजात शिशुओं की देखभाल से जुड़े डायग्नोस्टिक व उपचार उपकरण भेज दिए थे। पिछले महीने 33 टन बीसीजी, टिटनेस और डिप्थीरिया वैक्सीन की सामग्रियां भेजी गई थीं, जिसने बच्चों के टीकाकरण अभियान को मजबूत किया। हाल ही में अप्रैल में, बाढ़ राहत के लिए किचेन सेट, हाइजिन किट और स्लीपिंग बैग सहित 3 टन विशेष सामग्री भी पहुंचाई गई थी।

पेपर लीक का धंधा अरबों रुपयों का, इसका पैसा ऊपर तक पहुंचता है: केजरीवाल

-टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएमए अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने टेलीग्राम पर पाबंदी और परीक्षा के पेपर हवाई मार्ग से पहुंचाने के लिए भारतीय सेना के इस्तेमाल को सरकार के बेतुके कदम बताया। उन्होंने सवाल किया कि सेना के विमानों से पेपर पहुंचाना, टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पेपर लीक का धंधा कई अरब रुपयों का रैकेट है। इसका पैसा सबसे ऊपर तक पहुंचता है। अगर पेपर लीक रुक गए, तो सांसद और विधायकों को खरीदने के लिए पैसा कहां से आएगा? नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 22 जून 2026 तक टेलीग्राम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसमें नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल था। इस रोक का मकसद उस तरीके को रोकना था जिसके तहत राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के झूठे सबूत गढ़े जाते थे।

टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने इस अस्थायी रोक की आलोचना करते हुए कहा कि इससे लाखों आम यूज़र्स को बिना वजह सजा मिलती है, जबकि लीक को रोकने में भी यह नाकाम रही है, क्योंकि पेपर लीक अब दूसरे ऐप्स पर हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत के आईटी मंत्रालय ने एक हफ़्ते के लिए टेलीग्राम पर रोक लगा दी क्योंकि कुछ यूज़र्स ने परीक्षा के लीक हुए सवाल शेयर किए थे।

एनटीए ने साफ किया कि प्लेटफ़ॉर्म-लेवल पर यह पाबंदी लगाई गई थी। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया कि वह भारत में पहले से पोस्ट किए गए मैसेज के लिए मैसेज-एडिटिंग फ़ीचर को 30 जून 2026 तक बंद कर दे।

पत्नी-बच्चों संग जहर लेकर पहुंचा सफाईकर्मी, बोला- वेतन से मांगते हैं कमीशन

ग्रेटर नोएडा। यूपी के खुर्जा नगर पालिका परिषद कार्यालय में सोमवार सुबह सफाई कर्मी योगेश अपने परिवार के साथ पहुंचा और मच्छर मार दवा लेकर धरने पर बैठ गए। योगेश ने अपने सफाई नायक पर शोषण करने और वेतन में से जबरन कमीशन मांगने का आरोप लगाया। तभी ईओ ने तत्काल प्रभाव से सफाई नायक को निलंबित कर जांच शुरू कर दी। बड़ा मोहल्ला निवासी सफाईकर्मी योगेश ने बताया कि वह सफाई नायक बबलू बसौर के अंतर्गत काम करता था। करीब 10 साल से नगर पालिका में कार्यरत है, लेकिन सफाई नायक बबलू बसौर के आने के बाद उसको काफी प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि उनको वेतन भी काफी मिलता है, जिसमें से हर महीने 20 से 22 हजार रुपये कटौती कर दी जाती है। इसके बावजूद सफाई नायक उनसे वेतन में से कमीशन की डिमांड करता है। कमीशन नहीं देने पर नौकरी से निकलवाने और वेतन बंद करने की धमकी दी जाती है। ऐसे में पीड़ित सफाई नायक व उसका परिवार काफी परेशान है। ऐसी परिस्थिति में उनके पास आत्महत्या करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था। आत्महत्या करने के लिए उन्होंने नगर पालिका कार्यालय का निर्णय लिया। योगेश का कहना है कि अपनी समस्या के बारे में कई बार सफाई विभाग के अधिकारियों और बाबुओं से कहा गया, लेकिन उन्होंने भी कोई गंभीरता नहीं दिखाई। आरोप है कि अधिकारी और सफाई नायक की आपसी मिलीभगत से वह परेशान है। योगेश अपनी पत्नी व दोनों बच्चों के साथ नगर पालिका में ही मच्छर मार दवा (ऑल आउट) धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर ईओ मोहम्मद अनवर हुसैन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और योगेश की समस्या सुनी। इसके बाद योगेश को समझाकर और कार्रवाई का आश्वासन देकर उससे जहरीली दवा को लेकर नष्ट कराया। साथ ही उसको घर भेज दिया। सफाईकर्मी योगेश की समस्या को देखते हुए तत्काल सफाई नायब बबलू बसौर को निलंबित किया गया। मामले में जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया, जिसमें पांच सदस्य शामिल किए गए हैं। एक सप्ताह के अंदर कमेटी को जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

चार बच्चों की मां यासमीन ने रिया बनकर रचाई थी शादी, एक लाख रुपये में हुआ था सौदा; ऐसे हुआ बड़ा खुलासा

रामपुर। रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र की नादर बाग की मंडैया कॉलोनी निवासी सब्जी विक्रेता पुनीत से एक लाख रुपये लेकर शादी रचाने वाली यासमीन ने अपना नाम ही नहीं बदला बल्कि धर्म भी बदल लिया था। फर्जी आधार कार्ड लगाकर शादी रचाने वाली महिला रिया गुप्ता उर्फ यासमीन की इस करतूत का खुलासा पुलिस की जांच में हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर यासमीन उर्फ रिया गुप्ता व दो अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दो अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, 13 जून को मंडैया नादरबाग निवासी पुनीत कुमार के घर उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया जब दो दिन पहले शादी रचाने वाली महिला ने अचानक पुलिस को फोन कर बुला लिया। आरोप लगाया कि उसे जबरन रखा गया था,जबकि पुनीत का कहना था कि उसके रिश्तेदारों ने एक लाख रुपये लेकर रिया नाम की महिला से शादी कराई। रिया गुप्ता ने खुद को हरिद्वार का निवासी बताया था। बाद में पता चला कि रिया का असली नाम यासमीन है और वह बरेली की रहने वाली है। पुलिस आरोपी महिला को अपने साथ ले गई थी, जहां पुलिस ने अपनी जांच पड़ताल की। इस मामले में पुनीत की ओर से थाना सिविल लाइन में तहरीर देकर आरोप लगाया कि टांडा थाना क्षेत्र के गजरौला निवासी कल्लू तथा राम सिंह नामक व्यक्ति ने उससे एक लाख रुपये लेकर शादी कराने का सौदा किया। आरोपियों ने उसे एक महिला का आधार कार्ड दिखाया, जिसमें महिला का नाम रिया गुप्ता पुत्री भोपाल सिंह, निवासी हरिद्वार (उत्तराखंड) दर्ज था। इसी पहचान के आधार पर वादी की शादी महिला से करा दी गई। आरोप है कि शादी के बाद महिला ने उसके साथ विवाद और झगड़ा शुरू कर दिया। जांच-पड़ताल में सामने आया कि कथित रिया गुप्ता वास्तव में यासमीन पत्नी माहिर अली, निवासी मोहल्ला सैय्यदान, थाना आंवला बरेली है। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि इतना ही नहीं, महिला पहले से शादीशुदा है और उसके चार बच्चे भी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिविल लाइन में तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। रविवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित यासमीन उर्फ रिया गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि इस तरह के शादी के नाम पर चल रहे धोखाधड़ी के गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके। रिया गुप्ता उर्फ यासमीन ने रामपुर में पुनीत के घर के पास बने मंदिर में 11 जून को ही शादी रचाई थी। शादी के अगले दिन से ही उसकी गतिविधियां संदिग्ध नजर आने लगी थीं। शादी के दिन से ही वह बाहर घूमने के लिए जिद करती थी। परिजनों की मानें तो महिला ने खुद को बीमार बताया और फिर डॉक्टर को भी दिखाने गई। इसके बाद दवा भी ली। लेकिन दवा खाई नहीं। पुनीत के परिवार वालों ने उधार लेकर रिया उर्फ यासमीन को जेवरात चढ़ाए थे। आरोप है कि वह अपने साथ जेवर भी ले गई है।

सात साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न, मासूम कहती है आरोपी को भैया, बताने पर दी मारने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में सात साल की बच्ची के साथ 17 साल के नाबालिग के यौन उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है। अचानक तबीयत खराब होने पर बच्ची को उसके परिवार वाले अस्पताल लेकर गए, जहां इस बात की जानकारी मिली। जानकारी के मुताबिक, सात साल की बच्ची अपने परिजनों के साथ प्रेम नगर इलाके में रहती है। परिवार में माता-पिता के अलावा उसका एक बड़ा भाई है। वह इलाके में स्थित एक निजी स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ती है। प्रेम नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में बच्ची ने बताया कि वह पड़ोस में रहने वाले एक घर में टीवी देखने के लिए जाती थी। करीब एक सप्ताह पहले वह उस घर में गई थी। उस दिन घर में 17 साल के नाबालिग अकेला था, जिसे वह भैया कहती थी। आरोप है कि वह कुछ देर बाद आरोपी उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। आरोपी ने उसके निजी अंगों के साथ छेड़छाड़ की। उसके बाद उसने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। वह काफी डर गई और उसने किसी को कुछ नहीं बताया। 30 मई को अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। परिजन उसे पास के अस्पताल में ले गए। जहां उसके साथ हुए यौन उत्पीड़न की जानकारी उन्हें मिली। मां ने उससे इस बाबत पूछताछ की, जिसमें उसने एक सप्ताह पहले पड़ोसी नाबालिग द्वारा की गई हरकत के बारे में बताया। उसके बाद पिता ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बच्ची से पूछताछ करने और उसकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले पर कार्रवाई करते हुए 1 जून को आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे बाल सुधार गृह भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

शाहजहांपुर में ग्रामीणों ने चौकी घेरी, पुलिस ने फटकारी लाठियां, महिलाओं को पीटा

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के खुटार क्षेत्र में एक साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोपी को निर्दोष बताकर उसके गांव के लोगों ने बृहस्पतिवार को चांदपुर पुलिस चौकी को घेराव किया। ग्रामीणों के साथ बच्चे और महिलाएं भी पहुंच गईं और पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर करने का आरोप लगाया। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने हल्का प्रयोग कर ग्रामीणों को खदेड़ दिया। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को भी पीटा है। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पथराव किया है। नौ जून को एक साल की मासूम बच्ची के दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने रात में 11 बजे हरनाई गांव निवासी आरोपी गुड्डू से मुठभेड़ दिखाई थी। उसके दोनों पैरों में गोली भी लगी थी। मामले को लेकर बृहस्पतिवार को हरनाई गांव के तमाम ग्रामीण चांदपुर पुलिस चौकी पहुंच गए और आरोपी को निर्दोष बताया। ग्रामीणों के साथ महिलाएं और बच्चे भी थे। सभी ने जोरदार तरीके से प्रदर्शन करने के बाद पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। आरोपी गुड्डू शर्मा को न्याय देने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व प्रधान ने घटना वाली शाम को गुड्डू को पुलिस के सुपुर्द किया था। उसके पांच घंटे के बाद मुठभेड़ दिखाई गई। पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर दिखाया है। उन्होंने आरोपी को रिहा करने की मांग की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से वार्ता कर समझाने का प्रयास किया। पुलिस से वार्ता के दौरान माहौल गर्म हो गया। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो बवाल हो गया। पुलिस ने डंडा फटकारने के बाद भगदड़ मच गई। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों को दौड़ाकर पीटा। पुलिस ने महिलाओं को भी नहीं बख्शा है। इस दौरान महिलाओं ने भी पुलिस पर पत्थर से हमला किया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं।

नाम परिवर्तन

मैं,संख्या 2705137पी हवलदार (क्लर्क) दीपेश कुमार भारतीय सेना (4 ग्रेनेडियर्स) मै कार्यरत हूं। मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरी पत्नी का नाम गुडिय़ा देवी है जो गलत अंकित है, मेरी पत्नी का सही नाम गुड़िया कुमारी है। पता - गयासपुर, मनेर, पटना ।

NAME CHANGE

I Anamika Goel D/o Neera Goel A35 Aman Apartment Sector 13 Rohini Sector 7 North west Delhi 110085 have changed my name to Anamika Goyal for all future purpose

NAME CHANGE

I Surender Kumari Rana W/o a chander Mohan R/o A72/1 Vijay vihar Phase 2 Rohini North west Delhi 110085 have changed my name to Surender Kumari for all future purpose

NAME CHANGE

I,hitherto known as CHINTU S/O Maqsood Ahmad R/O F-855, INDER ENCLAVE PHASE-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as AANAV KHAN.

NAME CHANGE

I, Mohammad Rasheed S/O Mohammad Kifayatullah R/O 2807 Gali Garhaiya Kucha Chelan Darya Ganj New Delhi-110002 Have Changed My Name To Rashid Permanently.

NAME CHANGE

I, VIPIN S/O RAM SWAROOP residing at H NO-1400 HOUSING BOARD COLONY SECTOR-29 FARIDABAD HARYANA-121008 have changed my name to VIPIN MADAAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I ANKAJ S/O ARUN KUMAR R/O T-101 STREET NO -9 PREM NAGAR -2 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086 have changed my name to ANKAJ KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, BHUPENDER DHIMAN S/O RAJENDER PRASAD residing at 508/6 BALAJI MANDIR REDA BASTI, GANAUR SONIPAT HARYANA- 131101 have changed my name to BHUPENDER KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJ KUMAR, S/O KRISHAN DUTT SHARMA, R/O E-115, STREET NO-4, NEAR BHATI CHOWK, EAST VINOD NAGAR, DELHI-110091, have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR SHARMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I,PAWAN KUMAR S/o Brij Lal R/o H.No.63, 1st Floor, Block-9, Subhash Nagar, Delhi-110027, have changed my name from PAWAN KUMAR to PAWAN KUMAR BHOLA permanently.

NAME CHANGE

I,hitherto known as Mahesh S/O Maharaj Singh, R/O 192, Bhoor Bharat Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001,have changed my name and shall hereafter be known as MAHESH SISODIA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as GIAN VATI W/o AJAB SINGH BANSAL R/o P-52 B, Sanjay Nagar Sector-23, Ghaziabad, Po: Kavi Nagar, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002, have changed my name and shall hereafter be known as GYAN BANSAL.

NAME CHANGE

I, hitherto known as DEVANSH TYAGI S/o HARIKANT TYAGI R/o 166, Khilwai Colony, Garhmukteshwar, Garh Bridge Halt, Garhmukteshwar, Hapur, Uttar Pradesh-245205, have changed my name and shall hereafter be known as DIVYANSH.

NAME CHANGE

I, SANJEEV KUMAR S/O RAMPRAKASH R/O Bahadurganj, Tarai, Farrukhabad, Uttar Pradesh-209625, have changed the name of my minor daughter SUREKSHA aged 14 years and she shall hereafter be known as SWECHCHHA SAGAR.

NAME CHANGE

I hitherto known as ROMA SINGH alias RUMA RANI D/O ROOPLAL NIMESH W/O KUNWAR PAL SINGH R/O H.No-285, New Defence Colony, Muradnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206 have changed my name and shall hereafter be known as ROMA SINGH.

NAME CHANGE

I SONAM RANA W/O SAURAV BHARMORIA R/O ANU KALAN HAMIRPUR HIMACHAL PRADESH 177001 have changed my name to SONAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ADNAN S/O ABDUL SAMAD at 507 SHAHZADA BAGH PHASE 1 INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to ADNAN SAMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ZUBIYA D/O ABDUL SAMAD at 507 SHAHZADA BAGH PHASE 1 INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to ZUBIA SAMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD NAIM S/O MOHAMMAD SALEEM at PLOT NO 437 PHASE 1 SHAHZADA BAGH PHASE 1 INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD NAIM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAYED RAHMATULLAH S/O MAKSUD AHMED R/O N-80/H ABUL FAZAL ENCLAVE 1 GALI NO 13 POST OFFICE JAMIA NAGAR DELHI 110025, CHANGED MY NAME TO SYED RAHMATULLAH.

NAME CHANGE

I, SAYED SARFAZ AHMAD S/O SYED RAHMATULLAH R/O N-80/H ABUL FAZAL ENCLAVE 1 GALI NO 13 POST OFFICE JAMIA NAGAR DELHI 110025, CHANGED MY NAME TO SAYED SARFRAZ AHMED.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Harshima Soni D/o Mr. Jay Prakash Soni & Mrs. Nasreen Jahan W/o Mr. Badre Alam are the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Property Bearing No. 619, Old No. S-621-A, area measuring 56 Sq. Yds., i.e. 46.82 Sq. Mtrs., out of Khasra No.207 And 241, Situated at Abadi of School Block, Nehru Enclave Sharkpur, in the area of Village Shakarpur Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110092. Our client acquired the said property by virtue of a Regd. SPA dated 27.02.2025, As Doc No. 2025/5/IV/314, Vol No. 439 Book No. 4 on Pages 89-98 in SR- East Preet Vihar. In the chain of documents, (1) Cancellation of Bail mentioned on Notarized GPA dated 30.03.1992 (2) SMC of late Mr. Ram Padarath Shaw S/o Mr. Prashadi shaw, are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mrs. Nandini Kumari W/o Mr. Anmol Kumar the said property is presently financed / mortgaged with DMI, Housing Finance Pvt. Ltd., Branch: Prashant Vihar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Ms. Meena Kumari is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 22 area measuring 50 sq. yds. out of Mu. No. 4, Killa No. 20/3, Situated in the area of Village Nangloi jat Delhi abadi Known as Friends Enclave S. P. Road Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 06.06.2026, as Doc no. 2026/6/I/4631, Book no. 01, Vol no. 7294 Page no. 173-194 SR- II-A Delhi., in the chain documents below mentioned document not available i.e., SMC of late Mrs. Nirmala W/o Mr. Bans Raj died on dated 17.10.2004., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Jitender Rathee C/o Late Mr. Tarif Singh is the owner of Freehold Residential Property No. RZ-Q-21, area measuring 70 Sq. Yds., out of Khasra No. 36/10, situated in the revenue estate of Village Kamruddin Nagar, Colony Known as Nihal Vihar, Block Q, Nangloi, New Delhi 110041. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 19.03.2025, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Riyazuddin and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o R P SINGH, R/o Flat No-H 1621 Galaxy North Avenue-2 Gaur City-2, Sector-16 C, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, declare that name of my wife has been wrongly written as SUNAINA DEVI in my PPO Number 601198903188. The actual name of my wife is SUNENA DEVI, which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUDHIR KUMAR GUPTA son of HANUMAN residing at H. No. E-14, Dayanand Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001 have changed my name and shall hereafter be known as RAM KEWAL

NAME CHANGE

I PARVATI DEVI legally mother of Army no- 15443248x, Rank - NK Name - AKHILESH KUMAR, Presently Residing At, Village-Bamed, Post- Simarra - bhojpur, Teh - Bilsi Dist - Budaun, State- Uttar Pradesh, Pin - 243633 have changed my name from PARVATI DEVI to PARVATI for all future purposes, vide Affidavit dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I RAMAVTAR SINGH legally father of Army no- 15443248x, Rank - NK Name - AKHILESH KUMAR, Presently Residing At, Village-Bamed, Post- Simarra - bhojpur, Teh - Bilsi Dist - Budaun, State- Uttar Pradesh, Pin - 243633 have changed my name from RAMAVTAR SINGH to RAMAUTAR for all future purposes, vide Affidavit dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SWATI legally wife of ARMY NO - 2810502K HAV - PATIL AMAR RAMCHANDRA Presently Residing At, VILL- AMBARDE, POST- AMBARDE, TEH- SHAHUWADI, DIST- KOLHAPUR, PIN - 416215 have changed my name from SWATI to SWATI AMAR PATIL for all future purposes, Vide affidavit dated 17/06/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AKHTARI KHATUN W/o AFAK, R/o F-343, Madipur Colony, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi-110063, declare that name of mine has been wrongly written as AKHTARI in my Ration Card No. 077000139935. The actual name of mine is AKHTARI KHATUN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Taniya Ranmal Jain, also known as Taniya Ranamalla Jain, d/o Ranmal Jain, also known as Ranamal Jain, r/o H.No. A-8, T/F, Vivek Vihar Ph-II, Delhi-110092, have changed my name to Taniya Jain, in english, and to तानिया जैन, in hindi.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client namely MUNNI DEVI W/O LATE KISHAN SINGH R/O 34, JHUGGI BASTI, PANKAJ GARDEN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110071, have disowned, debarred her son namely MOHAN SINGH S/O SH. KISHAN SINGH and daughter-in-law namely LAXMI W/O MOHAN SINGH, both R/O 34, JHUGGI BASTI, PANKAJ GARDEN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110071 from all her moveable and immoveable properties because both above named are out of control of my client. My client has severed all relations with them. Anyone dealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences.

RAVI RANJAN PANDEY,
Advocate
Chamber No.835,
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector- 10,
New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given for the information of the general public that my client, SHRI SHAHJAD KHAN, C/o Ajmeri Khan, Resident of Plot No. 3, Khasra No. 56, Ground Floor, Block-A, Swami Shradhanand Colony, Bhalswa Dairy, Libaspur, P.O. Samai Pur, North-West Delhi, Delhi - 110042, Aadhaar No. 3806 1606 1416, has severed, discontinued and terminated all social, financial and familial relations with his son namely SHRI NADEEM KHAN, S/o Shahjad Khan, Aadhaar No. 2071 8998 2239.

Place: New Delhi
Date: 16.06.2026
SHAHJAD KHAN
(Executant)

THROUGH COUNSEL
Satya Prakash Ojha
Advocate
Chamber No.4,5, C Block, Gandhi Vihar,
Mukherjee Nagar, New Delhi - 110017
Enrolment No. UP/26672/2025
Mob.: 8840017578

NAME CHANGE

I,Sunil Kumar Kalyan S/o Jagannath R/o 145, Balmiki Mohalla, Molarband Gaon, Badarpur, South East Delhi-110044 have changed my name to Sunil Kumar for all future purposes.

Public Notice

It is for general information that I AMIR MOHD S/O RAJJAB ALI R/O B-15, PRATAP VIHAR, RANHOLLA, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI -110041,declare that name of my father has been wrongly written as Mohd Rajjab Ali in my 10th Class educational documents The actual name of my father is RAJJAB ALI,respectively which may be amended accordingly.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, DAMPHO DEVI mother of Service No- 16012452X, Rank- HAV, Name-INDRA SINGH SHEKHAWAT residing at VPO-PANDITPURA, TEHSIL-PAOTA, DIST-KOTPUTLI BEHROR, RAJASTHAN-303106, have changed my name from DAMPHO DEVI to DHAP KANWAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1954 instead of my correct date of birth as 19/06/1964, Vide Affidavit dated 17/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, AKEEL KHAN s/o KALLAN KHAN ALIAS KALLAN R/o J-477, BLOCK-J, JJ CAMP, TIGRI, DELHI-110062 have changed my name to AKEEL AHMAD.

NAME CHANGE

I,Salma Begum W/O Najarul Ansari R/o Rz-2056-A, Gali No-26, Tughlakabad Extension, Kalkaji, South Delhi, Delhi, 110019 ,Have Changed My Name To SALMA BEIGAM Permanently.

NAME CHANGE

I Surendra Kumari Rana W/o a chander Mohan R/o A72/1 Vijay vihar Phase 2 Rohini North west Delhi 110085 have changed my name to Surender Kumari for all future purpose

NAME CHANGE

I GRISHIKA D/o Virender Kumar R/o 48, Street No. 01, South Anarkali, Krishna Nagar, East Delhi, Delhi - 110051 have changed my name from GRISHIKA to GRISHIKA SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I KANCHAN W/O MILAP CHAND R/O ANU KALAN HAMIRPUR HIMACHAL PRADESH 177001 have changed my name to KANCHAN DEVI Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती आराधना, फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 282, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 79 मी, स्थित ग्राम हैबतपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, को श्री पंकज सिंह एवं श्री दीपक कुमार से क्रय करने का प्रस्ताव रखती हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री महेन्दर, श्री टिकम एवं श्री भीषम थे, जिन्होंने दिनांक 20.10.2011 के पंजीकृत जी.पी.ए., एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री शिव नारायण के पक्ष में हस्तांतरित की थी। तत्पश्चात श्री शिव नारायण ने दिनांक 06.02.2012 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती गिरजा देवी के पक्ष में विक्रय कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती गिरजा देवी, पत्नी श्री मुन्ना लाल, का निधन दिनांक 14.07.2013 को हो गया था तथा उनके एकमात्र वैध उत्तराधिकारी उनके पति श्री मुन्ना लाल थे। इसके पश्चात श्री मुन्ना लाल ने दिनांक 03.04.2023 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती सविता चौहान के पक्ष में विक्रय कर दी। तत्पश्चात श्रीमती सविता चौहान ने दिनांक 09.03.2026 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री पंकज सिंह एवं श्री दीपक कुमार के पक्ष में विक्रय कर दी। इसके अतिरिक्त, उपलब्ध दस्तावेज़ श्रृंखला (Chain Documents) में स्वर्गीय श्रीमती गिरजा देवी के नाम का स्स्ष्ट तथा श्री मुन्ना लाल के नाम दर्ज स्ह्लड्डह्लद्धश्ठ्ठ ऋद्गष्श्रह्म्स्र उपलब्ध नहीं है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति पर DCB Bank Limited, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, JYOTSANA SAGAR alias JYOTSANA MAHRISHI D/o OM PRAKASH SAGAR Ex-W/o AKHIL MAHRISHI, R/o P-1601, Arihant Ambience, Crossing Republik, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201016, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. H.No.U/S13B, dated 15.09.2025. Further I remarried TARUN GOSWAMI S/o PREM GOSWAMI vide marriage certificate No.1673. dated 19.05.2026. Further I have changed the name of my minor son LAKSHIT alias LAKSHIT MAHRISHI aged 6 years and he shall hereafter be known as LAKSHIT GOSWAMI. henceforth the name of the father of my minor son may be known as TARUN GOSWAMI in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, DILSHAD AHMAD S/O JAMIL AHMAD R/O 786/5, FIRST FLOOR, FLATS-6, GALI NO. 1, MANDAWALI FAZALPUR, DELHI-110092 have changed my name from DILSHAD KHAN to DILSHAD AHMAD for all future purposes.

NAME CHANGE

I HARMEET KOUR KHALSA W/O PARAMJEET SINGH R/O H.NO 190-191 FIRST FLOOR BLOCK H MOHAN GARDEN GAUTAM CHOWK UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to HARMEET KAUR KHALSA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I PANKAJ GOEL S/O NARESH KUMAR GOEL R/O 11-A PANDIT PANT MARG NEW DELHI -110001 have changed my name to PANKAJ KUMAR GOEL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ASIF S/O RAUNAQ ALI R/O H NO -3167 2ND FLOOR KUCHA TARA CHAND DARYA GANJ DELHI- 110002 have changed my name to MOHD ASIF Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD SHAMSHAD S/O MUMTAZ AHMAD R/O 28 J-EXTN GALI NO -9 LAXMI NAGAR DELHI- 110092 have changed my name to MOHD SHAMSHAD Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री चन्दन सिंह एवं श्रीमती सीमा प्लॉट नं. 130 (प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 1BBCBP85), क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, जो खसरा म्यू. नं. 49//11 का हिस्सा है तथा वाका मौजा, डबुआ, तहसील बड़खल, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है, को श्री अंकुर कुमार कौशिक से क्रय करने के इच्छुक हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री पूरन सिंह थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 15.01.1979 के माध्यम से श्री राम सरन के पक्ष में हस्तांतरित किया था। तत्पश्चात, श्री राम सरन ने उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 20.07.1987 के माध्यम से श्री दिनेश कुमार शर्मा के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया। दुर्भाग्यवश, श्री दिनेश कुमार शर्मा का दिनांक 02.11.2021 को निधन हो गया। उनके निधन के उपरांत उनके वैध उत्तराधिकारियों, अर्थात् श्री अमन कुमार (पुत्र), सुश्री अर्चना (पुत्री), श्रीमती शील कुमारी (पत्नी) एवं श्री अंकुर कुमार कौशिक (पुत्र) के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज (म्यूटेशन) किए गए। इसके पश्चात श्री अमन कुमार, सुश्री अर्चना एवं श्रीमती शील कुमारी ने अपने समस्त अधिकार, स्वामित्व एवं हित हस्तांतरण विलेख दिनांक 13.03.2026 के माध्यम से श्री अंकुर कुमार कौशिक के पक्ष में हस्तांतरित कर दिए, जिसके उपरांत राजस्व अभिलेखों में उनका नाम विधिवत दर्ज (म्यूटेट) कर दिया गया। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, भार, ग्रहणाधिकार (Lien), ऋणभार, दावे अथवा अन्य किसी तृतीय पक्ष के अधिकार से मुक्त है। तथापि, उक्त संपत्ति का वास्तविक/भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री पवन बत्रा एवं श्री अमित बत्रा के पास है। उक्त संपत्ति पर वित्तपोषण (Finance) RBL Bank Ltd, शाखा-बिल्डिंग नं. 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं श्रीमती कमला मेहता पत्नी स्व. श्री सत्य देव मेहता, निवासी K-40 First Floor, Old Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi की निवासी हूँ। मैं अपने छोटे बेटे विशाल मेहता उसकी पत्नी तथा उसके दो बेटो के साथ रहती हूँ। मेरी छोटी बेटी सीमा मेहता जिसकी उम्र 45 वर्ष है और जिसका अपने पति से तलाक हो चुका है, पता 4/56 Second Floor, Old Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi में तलाक होने के बाद से ही रह रही हूँ । मैंने अपनी बेटी से सभी तरह के सम्बन्ध खत्म कर दिए हैं। और उसको मैंने अपनी जिंदगी से बेदखल कर दिया है। मेरी बेटी आज दिनांक 16.06.2026 से कोई गलत काम करती है या किसी गलत काम में संग्लन पाई जाती है तो उसके लिए मैं और मेरा बेटा किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे।

NAME CHANGE

I, NO-18012212M Rank-HAV/CLK (SD) Name-ARJUN SINGH residing at VILL-JAMUNAPUR, PO-JYEONTA, TEHSIL-SADAR, DIST-FARRUKHABAD, UTTAR PRADESH-209743 have changed my wife's name from RENU SINGH to RENU CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 17/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,SUMIT S/O RANBIR SINGH R/O VILLAGE DHANA, BASLAMBI (130), GURGAON, HARYANA-122503, HAVE CHANGED MY NAME TO SUMIT KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, KM DIPIKA W/O ANUJ KUMAR FLAT NO-1303,TOWER-8,RPS SAVANA, SECTOR-88,KHERI KALAN (113), FARIDABAD, HARYANA-121002, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPIKA SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-14940983P, Rank-HAV, Name-PAWAR NILESH NIMBA unit at 10 MECH INF (20 MARATHA LI), C/O-56 APO, LALGARH JATTAN ARMY CANTT, DIST-SHREE GANGANAGAR, RAJASTHAN-911710, have changed my mother's name from PAWAR NIRMALABAI NIMBA to NIRMALABAI NIMBA PAWAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/03/1968 instead of her correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती आँचल कुमारी, श्रीमती कृष्णा देवी से प्लॉट संख्या 190, क्षेत्रफल 78 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 11/8/2 में स्थित है तथा ग्राम राजापुर खुर्द, ब्लॉक R-III, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 में अवस्थित है, क्रय करना चाहती हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री कांशी राम थे, जिन्होंने दिनांक 27.10.1987 को निष्पादित सामान्य मुख्तारनामा (GPA), एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री बहादुर सिंह के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री बहादुर सिंह ने दिनांक 26.04.1991 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री कांती स्वरूप त्यागी एवं श्री नरेश कुमार त्यागी के पक्ष में हस्तांतरित की। इसके बाद, श्री कांती स्वरूप त्यागी एवं श्री नरेश कुमार त्यागी ने दिनांक 11.02.1992 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री संजय कुमार के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री संजय कुमार ने दिनांक 03.03.1992 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री माता बदल के पक्ष में हस्तांतरित की। इसके बाद श्री माता बदल ने दिनांक 10.04.1992 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री सी.बी. खत्री के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री सी.बी. खत्री ने दिनांक 15.05.1992 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती लालती देवी के पक्ष में हस्तांतरित की। बाद में श्रीमती लालती देवी ने दिनांक 15.07.2002 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती कृष्णा देवी के पक्ष में हस्तांतरित की। फलस्वरूप, श्रीमती कृष्णा देवी उपर्युक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, प्रभार अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त है। इसके अतिरिक्त, कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, RAJIV S/O OM PARKASH BUDHIRAJA residing at H.NO-2528, SECTOR-1, ROHTAK, HARYANA-124001. have changed my name to RAJIV BUDHIRAJA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KUSUM W/O RAJIV BUDHIRAJA residing at H.NO-2528, SECTOR-1, ROHTAK, HARYANA-124001. have changed my name to KUSUM LATA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I Bharat Bhushan Bhat S/o Janki Nath Bhat R/o C-15B, Rajat Vihar, Sector 62, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Bharat Bushan and Pt. Janki nath in my 10th class educational certificate. The actual name of mine and my father is Bharat Bhushan Bhat and Janki nath Bhat. which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I Urja Maheshwari D/o Manish Mohan Maheshwari R/o 2/2 Ashoka road, Shipra Sun City-2, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh (201014), declare that name of my Father has been wrongly written as Manish Maheshwari in my 10th class educational Certificate. The actual name of my Father is Manish Mohan Maheshwari. which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as Akhilesh Kumar S/o Satya Narayan R/o RC 799, Rajiv Nagar, Khora Colony, Ghaziabad, Uttar Pradesh (201001), have changed my name and shall hereafter be known as Akhilesh Kumar Jha. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी क्लाइंट, श्रीमती सीमा देवी (उर्फ/पहले श्रीमती सुमन के नाम से जानी जाने वाली), पत्नी श्री राजेश सिंह, निवासी ताजपुर, अलीगढ़, भगतपुर, उत्तर प्रदेश - 202132, प्लॉट नंबर 33, एरिया 67 वर्ग गज, खसरा नंबर 1380, पंचकुला थर्ड विलेज- छपरौला दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, यू.पी. में पूरी तरह से सह-मालिक हैं और उनका इस पर कब्ज़ा है। उन्होंने यह प्रॉपर्टी श्री रामस्वरूप के बेटे श्री बालेश्वर दयाल शर्मा द्वारा श्रीमती सीमा देवी (पत्नी श्री राजेश सिंह) और श्रीमती सुधा (पत्नी श्री हरिओम चौहान) के पक्ष में निष्पादित सेल डीड (बिक्री विलेख) के माध्यम से खरीदी थी। यह डीड स्स्ह्र-दादरी में 04-अक्टूबर-2017 को डॉक्यूमेंट नंबर 14105, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 10942, पेज नंबर 275-292 के तहत रजिस्टर्ड है। श्रीमती सीमा देवी का नाम उनके मुख्य सरकारी रिकॉर्ड में आधिकारिक तौर पर श्रीमती सीमा देवी के रूप में अपडेट/बदल दिया गया है। श्रीमती सुमन और श्रीमती सीमा देवी एक ही व्यक्ति हैं। मेरी क्लाइंट, श्रीमती सीमा देवी, कुछ क्रेडिट/लोन सुविधाओं को सुरक्षित करने के लिए उक्त प्रॉपर्टी को ट्रू होम फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहती हैं। यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्थान या प्राधिकरण का उक्त प्रॉपर्टी पर या मालिक के नाम में बदलाव के संबंध में कोई दावा, अधिकार, हक, हित, आपत्ति या हिस्सा है, तो उन्हें इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 10 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर हस्ताक्षरकर्ता को लिखित रूप में और सहायक दस्तावेजी सबूतों के साथ इसकी जानकारी देनी होगी। यदि निर्धारित 10 दिनों की अवधि के भीतर कोई आपत्ति या दावा प्राप्त नहीं होता है, तो यह मान लिया जाएगा कि प्रॉपर्टी का मालिकाना हक स्पष्ट और बिक्री-योग्य है और यह सभी प्रकार के भार (encumbrances) से मुक्त है। इसके बाद मेरी क्लाइंट किसी भी बाद के दावे को नजरअंदाज करते हुए ट्रू होम फाइनेंस लिमिटेड के पास प्रॉपर्टी को गिरवी रखने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएंगी।

आदित्य वर्मा, अधिवक्ता
ई-16, पहली मंजिल, ई-ब्लॉक,
मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110032।
मोबाइल 9999042521.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल ने देश को दी नई दिशा और नई पहचानः मनीष ग्रोवर

एजेंसी

रोहतक। पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में परिवर्तनकारी और जनकल्याणकारी रहे हैं। मनीष ग्रोवर स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि वर्ष 2014 से 2026 तक के कार्यकाल में केंद्र सरकार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार किया है।उन्होंने कहा कि जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों के बैंक खाते खोले गए, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचना संभव हुआ। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच पाता था, लेकिन आज डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) व्यवस्था के माध्यम से केंद्र सरकार की सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही है। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, हर घर जल योजना, मुद्रा एवं गारंटी मुक्त ऋण योजनाओं सहित अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों ने गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने खरगे से की मुलाकात

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने हरियाणा की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा प्रदेश के विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।राव नरेंद्र सिंह ने प्रदेश में कांग्रेस संगठन की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं के उत्साह तथा आगामी राजनीतिक रणनीति के संबंध में भी अवगत कराया।इसके अतिरिक्त राव नरेंद्र सिंह ने प्रदेश में निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी भी कांग्रेस अध्यक्ष को दी तथा इस प्रक्रिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जागरूकता अभियान के बारे में विस्तार से बताया। मल्लिकार्जुन खरगे ने हरियाणा कांग्रेस संगठन की गतिविधियों की सराहना करते हुए प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश में जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरेगी।

महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पर राष्ट्रीय महिला आयोग हुआ सख्त

गुरुग्राम। महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले वीडियो पर गुरुग्राम पुलिस ने राष्ट्रीय महिला आयोग के हस्तक्षेप से कार्रवाई की है। थाना डीएलएफ फेज-2 में आईटी एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई राष्ट्रीय महिला आयोग की शिकायत और स्वतः संज्ञान के आधार पर की गई है। जांच के दौरान पुलिस ने नामजद आरोपियों हिमांशु जांगड़ा और प्रणीत मोर की पहचान कर ली है। दोनों को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुरुग्राम पुलिस ने महिलाओं की गरिमा को प्रभावित करने वाली वीडियो सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी कानूनी अनुरोध और नोटिस भेजा है। पुलिस ने प्लेटफॉर्म्स से तत्काल वीडियो हटाने की मांग की है ताकि इसका आगे प्रसार न हो सके। पुलिस आयुक्त गुरुग्राम के निर्देशन में मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि महिलाओं की अस्मिता और सम्मान के खिलाफ किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चानौत गांव को जल्द मिलेगा भाखड़ा नहर का स्वच्छ पेयजल

हासी। पिछले काफी समय से पेयजल के लिए आंदोलन कर रहे चानौत के ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर है। गांव के प्रत्येक घर तक जल्द ही भाखड़ा नहर का पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में गुरुवार से चानौत गांव के लिए राजली हेड से पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा।ग्रामीण पिछले कई दिनों से पेयजल आपूर्ति की समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे थे। अब जिला प्रशासन द्वारा उनकी इस मांग को गंभीरता से लेते हुए इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने मंगलवार को जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित कार्य योजना के अनुसार पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से पूरा किया जाए, ताकि गांववासियों को जल्द से जल्द भाखड़ा नहर का राजली हैड से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पेयजल जैसी आवश्यक सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

हरियाणा का इंटरनेशनल योगा डे समारोह में रिकॉर्ड हिस्सेदारी का लक्ष्य

डॉ. सुमिता मिश्रा ने योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं स्वास्थय एवं परिवार कल्याण डॉ. सुमिता मिश्रा ने आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों की राज्य स्तर पर समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को प्रदेश में योग कार्यक्रमो के सफल आयोजन में पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिये।

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. मिश्रा ने इस बात पर बल दिया कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त टूल के रूप में उभरा है। उन्होंने इस साल के समारोह को लोगों का अभियान बनाने और

वेलनेस और फिटनेस के प्रति हरियाणा के वादे को मजबूत करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने की अपील की।मीटिंग में अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस साल 2026 के लिए 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम अपनाई है, जबकि 'हर घर योग, हर दिन योग' और 'योग युक्त नशा-मुक्त हरियाणा' जैसे नारों के तहत अभियान चलाया जा रहा है।

जिलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डॉ. मिश्रा ने इस बात पर संतोष जताया कि 18 मई से पूरे हरियाणा में योग गतिविधियां चलाई जा रही हैं और इनमें अब तक 20.36 लाख से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया है। मीटिंग में बताया कि अभियान के दौरान जिलों में हुए अब तक विभागीय योग कार्यक्रमों में 13.05 लाख से ज़्यादा लोगों ने भाग लिया। सुमिता मिश्रा ने षिक्षा, खेल, स्थानीय षहरी निकाय, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, आईटीआई और मेडिकल षिक्षा समेत अलग-अलग विभागीय तैयारियों की समीक्षा कर ज़्यादा से ज़्यादा और जनसहयोग के लिए विषेष ज़िम्मेदारियाँ दी गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी जगहों पर पीने का पानी और मेडिकल सुविधाएँ आदि पर्याप्त प्रबंध होने चाहिए।डॉ. मिश्रा ने प्रदेष में होने वाले जिला स्तरीय और खण्ड स्तरीय कार्यक्रमों के प्रबंधों की भी समीक्षा की। राज्य स्तर पर अंतराष्ट्रीय योग दिवस परेड ग्राउंड, सेक्टर-5, पंचकूला में आयोजित होगा, जबकि इसी तरह के बड़े कार्य्रकम सभी जिलों में एक साथ होंगे।उन्होंने अधिकारियों को जन सहयोग के साथ आवष्यक प्रबंध करने, जागरूकता अभियान और विभागीय तालमेल से योग दिवस मनाने के निर्देश दिये ताकि हरियाणा में योग को अपने जीवन में अपनाने और एक स्वस्थय और नषा मुक्त समाज के विजन को आगे बढ़ाने में अग्रणीय भूमिका निभा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक पहचान बना योगः हरियाणा विधानसभा स्पीकर

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण और हरियाणा सरकार के मंत्री श्याम सिंह राणा ने योग के महत्व पर अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने योग को भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसे स्वस्थ और तनावमुक्त जीवन का आधार बताया। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत के लिए गर्व का विषय है। आज योग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में इसे अपनाया और मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की प्राचीन संस्कृति को नई पहचान और मजबूती मिली है और योग उसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरी दुनिया को भारत की ओर से दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग से शरीर स्वस्थ रहता है और मन को भी शांति मिलती है। उन्होंने बताया कि योग को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए जो प्रयास किए गए, उनके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं।

हरविंदर कल्याण ने कहा कि आज के दौर में हर जिम्मेदार व्यक्ति पर काम का दबाव है और लोगों को विभिन्न प्रकार के तनावों का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में तनावमुक्त रहने के लिए योग बेहद जरूरी है। योग को हर व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या और जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति व्यस्त दिनचर्या के बीच केवल पांच मिनट का छोटा सा विराम लेकर योग या ध्यान करता है तो वह नई ऊर्जा और ताजगी के साथ अपने काम पर लौट सकता है।

वहीं, हरियाणा के मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि योग शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को अनुशासित करने का माध्यम है।

19 जून को फरीदाबाद में आयोजित होगा 'रोजगार से विकसित भारत' कार्यक्रम

एजेंसी

फरीदाबाद। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) एवं श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) के अंतर्गत 19 जून 2026 को 'रोजगार से विकसित भारत' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में आयोजित होने के साथ-साथ देशभर में क्षेत्रीय स्तर पर लगभग 200 स्थानों पर समानांतर रूप से आयोजित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि फरीदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय, ईपीएफओ द्वारा भी इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन 19 जून 2026 को सायंकाल 5 बजे से 7 बजे तक दो अलग-अलग स्थलों पर किया जा रहा है। पहला कार्यक्रम सेक्टर-17 स्थित मॉडर्न स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। इस स्थल के प्रभारी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-प्रथम (आरपीएफसी-1) रविंदर बबरा होंगे। दूसरा कार्यक्रम सेक्टर-8 स्थित सर्वोदय अस्पताल ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस स्थल के प्रभारी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-द्वितीय (आरपीएफसी-2) डॉ. सुधीर कुमार जायसवाल होंगे। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन को बढ़ावा देना तथा नए रोजगार प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को योजना से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान नियोक्ताओं, कर्मचारियों, नव-नियोजित युवाओं, उद्योग संगठनों, व्यापारिक निकायों, जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें रोजगार पत्र भी वितरित किए जाएंगे।

रोडवेज कर्मियों को नई तबादला नीति आने तक आपसी सहमति से मिलेगा स्थानांतरण का अवसरः परिवहन मंत्री अनिल विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की कि राज्य सरकार द्वारा नई स्थानांतरण नीति लागू किए जाने तक रोडवेज कर्मचारियों को आपसी सहमति के आधार पर एक बार स्थानांतरण का अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से कर्मचारियों की वास्तविक आवश्यकताओं का समाधान होगा तथा विभिन्न डिपो में कार्यबल की उपलब्धता और कार्य क्षमता भी प्रभावित नहीं होगी। इसके साथ ही विज ने घोषणा की कि प्रदेश की सभी रोडवेज कार्यशालाओं में कर्मचारियों की सुविधा के लिए पंखों, बैठने की समुचित व्यवस्था, वाटर कूलर तथा महिला एवं पुरुष कर्मचारियों के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि कार्यरत कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध

कराया जा सके। विज चण्डीगढ़ में परिवहन विभाग के अधिकारियों, हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन तथा हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान किलोमीटर स्कीम तथा स्टेज कैरिज स्कीम के अंतर्गत निजी परमिटों से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संबंध में विज ने कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है, किंतु जब तक मामला लंबित है, तब तक सभी निजी बस संचालकों को वर्तमान प्रचलित नीति एवं नियमों का पूर्णतः पालन करना होगा अन्यथा नियमों की अवहेलना करने वाले संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी या उनकी बस को खडा करवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा रोडवेज एक व्यावसायिक संस्था होने के साथ-साथ जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम भी है क्योंकि हम सेवा प्रदाता हैं। इसलिए सभी निर्धारित रूटों पर परिवहन सेवाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, चाहे बसें सरकारी हों अथवा किलोमीटर स्कीम के तहत संचालित की जा रही हों।

परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभाग शीघ्र ही चालकों की टेस्टिंग प्रक्रिया प्रारंभ करेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए चालक परीक्षण प्रणाली को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग के साथ सख्ती से लागू किया जाएगा। विज ने अधिकारियों को बसों के रूट एवं समय-सारिणी की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, पहले सरकारी बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा उसके लगभग 20 से 25 मिनट बाद निजी बसों को चलाया जाए, ताकि सरकारी परिवहन सेवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा का सामना न करना पड़े।

हरियाणा में तकनीकी शिक्षण संस्थानों को किया जायेगा अपग्रेड, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

अभिनव इंडिया/वेद वशिष्ठ

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने और तकनीकी शिक्षा को समय के अनुकूल आधुनिक बनाने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रही है। सरकार का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों को व्यावहारिक व उच्च स्तरीय तकनीकी ज्ञान देना है, ताकि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रदेश के इंजीनियरिंग व बहुतकनीकी (पॉलिटेक्निक) संस्थानों के लिए उच्च विनिर्देश (हाई कॉन्फ़िगरेशन) वाले 2512 नए कंप्यूटर सिस्टम की खरीद की गई है।

श्री महीपाल ढांडा आज हरियाणा सिविल सचिवालय में तकनीकी शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की एक अहम समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग की विभिन्न परियोजनाओं और आगामी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षा मंत्री ने बताया कि खरीदे गए कंप्यूटरों में से प्रदेश के 5 अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) एवं औद्योगिक संस्थानों में 730 कंप्यूटर सिस्टम और 36 राजकीय

बहुतकनीकी व बहुतकनीकी शिक्षा समितियों में आवश्यक कंप्यूटर प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष बचे 281 कंप्यूटर सिस्टम भी जल्द से जल्द संबंधित संस्थानों में उपलब्ध करवा दिए जाएं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग में कोई बाधा न आए।

इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर है जोर

तकनीकी शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि कंप्यूटरों के अलावा प्रदेश के 9 राजकीय बहुतकनीकी संस्थानों में सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित 51 आधुनिक मशीनें एवं उपकरण भी उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। इन नए उपकरणों की मदद से छात्र नए जमाने की तकनीकों को लाइव सीख सकेंगे, जिससे उद्योगों (इंडस्ट्री) में उनकी मांग और स्वीकार्यता बढ़ेगी।

रोजगार के लिए युवाओं को सक्षम बनाने का है लक्ष्य

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधुनिक दौर में केवल थ्योरी के भरोसे युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा सकता। हमें संस्थानों की लैब्स को पूरी तरह अपग्रेड करना होगा। सरकार का लक्ष्य हर हाथ को काम और हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार देना है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों को आधुनिक संसाधनों से लैस करने का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि हरियाणा के युवा आत्मनिर्भर बन सकें। बैठक में उच्चतर शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एके सिंह, बहु तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक श्री प्रभजोत सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भाजपा का संगठन गांव-गांव और घर-घर तक मजबूत हुआ हैः डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

जींद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का जींद पहुंचने पर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जींद आगमन पर जिले भर में अनेक स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर, मालाएं पहनाकर तथा ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा जिला कार्यालय पहुंचने पर ज़िला अध्यक्ष तेजेन्द्र ढुल्ल, मंत्री कृष्ण बेदी, डिप्टी स्पीकार कृष्ण मिड्ढा, ज़िला प्रभारी मदन लाल गोयल, सफीदों विधायक रामकुमार गौतम, विधायक देवेन्द्र अत्री, मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर अशोक छाबड़ा सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान भारत माता की जय, मोदी नायब जिंदाबाद, अर्चना गुप्ता जिंदाबाद तथा भाजपा जिंदाबाद के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। अपने स्वागत से गदगद हुई डॉ. अर्चना गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें मिला यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है और उसी की मेहनत, तपस्या तथा समर्पण के कारण भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य भी कर रहे हैं। कार्यकर्ता गरीब, जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सेतु की भूमिका निभा रहे हैं।

हरियाणा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयारियां हुई तेज, अधिकारियों को दिए ये दिशा-निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़ । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में 21 जून को आयोजित होने वाले जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर लघु सचिवालय में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला में योग दिवस आयोजन के नोडल अधिकारी एवं एएलसी कुशल कटारिया ने की।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। कुशल कटारिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योग दिवस कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुशल कटारिया ने कहा कि योग केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं बल्कि स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक जन आंदोलन है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, आरडब्ल्यूए, युवाओं तथा आमजन को कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही कार्यक्रम स्थलों पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी

सभी प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। कुशल कटारिया ने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 21 जून को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम, गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ब्लॉक स्तर पर सोहना में भौंडसी स्थित लेबनर्म स्कूल, पटौदी में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पटौदी तथा फर्रुखनगर में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फर्रुखनगर में भी योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन सभी स्थलों पर बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों से निर्धारित समयसीमा के भीतर तैयारियां पूर्ण करने तथा योग दिवस को जनभागीदारी का उत्सव बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिला आयुष अधिकारी डॉ मंजू कुमारी, जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन, गुरुग्राम आईटीआई के प्रिंसिपल रविंद्र यादव, एईओ जगदीश अहलावत, डॉ मोनिका सहित पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागीय अधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शहीद स्मारक के ओपन एयर थियेटर में होगी शौर्य की अभिव्यक्ति ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने जांची लाइट एंड साउंड शो की भव्यता

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने ''आजादी की पहली लड़ाई के इतिहास को संजोने के लिए स्थापित शहीद स्मारक'' के ओपन एयर

थियेटर में प्रदर्शित किए जाने वाले लाइट एंड साउंड शो का अवलोकन किया। लाइट एंड साउंड शो बनाने वाली मुंबई की टीम के निदेशक लेखक एवं कलाकार अतुल तिवारी भी इस दौरान मौजूद रहे।

शहीद स्मारक के मेमोरियल टॉवर सहित पांच अलग-अलग स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जाने वाले लाइट एंड साउंड शो को बेहद अलग अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। गत देर शाम इसका अवलोकन करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने टीम को कुछ बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर शहीद स्मारक के निर्देश डा. कुलदीप सैनी, पीडब्ल्यूडी के एसई भूपिंद्र सिंह, एक्सईएन रितेश अग्रवाल, एक्सईएन इलेक्ट्रिकल नवीन राठी सहित अन्य अधिकारी व निर्माण एजेंसी, तकनीकी स्टाफ एवं अन्य मौजूद रहे। अनिल विज ने बताया कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक बनकर तैयार है और बहुत जल्द इसका उद्घाटन होगा। स्मारक लगभग 700 करोड़ रुपए की लागत से 22 एकड़ में बना है जिसमें 22 गैलरियों में आजादी की पहली लड़ाई से जुड़े इतिहास को विभिन्न माध्यमों से और बेहद आकर्षक तरीकों से प्रदर्शित किया जाएगा।

केएमपी एक्सप्रेसवे विकसित भारत-2047 की बनेगा शानः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि लगभग 135 किलोमीटर लंबा कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आने वाले समय में यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की पहचान तथा गौरव का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2041 की संभावित जनसंख्या और भविष्य की विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार केएमपी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पांच नए शहर विकसित करने के उद्देश्य से पंचग्राम विकास प्राधिकरण का गठन कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुद्दा उठाया है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि केएमपी एक्सप्रेसवे हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की एक अमूल्य संपत्ति है। राज्य सरकार ने निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे को नई गति देने के लिए औद्योगिक

नीति में आवश्यक संशोधन किए हैं।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2030 तक 10 नई आईएमटी स्थापित करने की घोषणा की गई थी। इनमें से पांच आईएमटी को मंजूरी मिल चुकी है और उनके विकास की प्रक्रिया जारी है। प्रस्तावित 10 आईएमटी में से तीन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में केएमपी एक्सप्रेसवे के साथ विकसित की जाएंगी। उद्योग मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए उद्योग विभाग का बजट 1327.76 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1950.92 करोड़ रुपये किया गया है, जो राज्य सरकार की औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि केएमपी एक्सप्रेसवे के साथ विकसित होने वाले पांच नए शहर 'विकसित भारत' के आकर्षण केंद्र बनेंगे और दिल्ली पर बढ़ते जनसंख्या व यातायात दबाव को कम करने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

NAME CHANGE

I Avishek Paul S/o Sunil kanti Paul R/o F-161, 1st Floor, Central Park Flower Valley, Block-F, Flamingo Floor, KR Mangalam University, Village Dunehla, Sector-32-33 Dunehla (182), Gurgaon, Haryana-122103 have changed the name of my minor son baby of Poulomi Saha aged 9 years and he shall hereafter be known as HRRIHAAN PAUL SAHA for all future purposes.

विशेष गहन पुनरीक्षण पर आयोग सख्त, गैरहाजिर बीएलओ होंगे सस्पेंडः संजय कुमार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में निर्वाचन आयोग के डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संजय कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष एवं व्यापक समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ड्यूटी के दौरान गैरहाजिर पाए जाने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने तुरंत सस्पैंड किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा की जो लक्ष्य निर्धारित किया है उसे 100 प्रतिशत पूरा किया जाएगा।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसा महत्वपूर्ण कार्य पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी को समन्वय बना कर टीम वर्क के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त ने गणना प्रपत्रों के वितरण, बीएलओ की उपलब्धता, प्रशिक्षण तथा जमीनी स्तर पर अभियान की प्रगति की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से ली। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फॉर्म वितरण की स्थिति कमजोर नहीं होनी चाहिए । जितना कार्य बचता है उसे जल्द पूरा करें। उपायुक्त ने कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि जिले में एक संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत चार विधानसभा क्षेत्र–पानीपत ग्रामीण, पानीपत शहर, इसराना (अनुसूचित जाति) और समालखा–शामिल हैं। जिले में कुल 26 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) की व्यवस्था है व कुल 912 मतदान केंद्र हैं। उपायुक्त ने बताया कि वर्तमान में जिले में कुल 9 लाख 66 हजार 687 मतदाता दर्ज हैं।

स्पेसएक्स के डील के बाद भारतीय मूल के अमन सांगर की संपत्ति 5.5 अरब डॉलर पहुंची

नई दिल्ली।

स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म कर्सर की मूल कंपनी एनीस्फीयर इंक के अधिग्रहण के लिए 60 अरब डॉलर के शेयर खरीदने का समझौता किया है। इस सौदे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक भारतीय मूल के 25 वर्षीय अमन सांगर की अनुमानित संपत्ति 5.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।सांगर ने वर्ष 2022 में मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) को अपने तीन सहपाठियों के साथ छोड़कर उस कंपनी की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर कर्सर के रूप में विकसित हुई। वह वर्तमान में एनीस्फीयर में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर कार्यरत हैं। लिंकडइन पर सांगर ने अपने मिशन को ÷सॉफ्टवेयर निर्माण की सभी बाधाओं को खत्म करना÷ बताया है।कई रिपोर्टों के अनुसार, इस स्टार्टअप ने शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित सहायक विकसित करने पर काम किया था। बाद में कंपनी ने अपना फोकस बदलकर ऐसी एआई-आधारित कोडिंग प्रणाली विकसित की, जो पूरे कोडबेस का विश्लेषण कर जटिल समाधान तैयार कर सकती है।

न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सांगर ने 14 वर्ष की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। एमआईटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात सह-संस्थापकों माइकल ट्रुएल, सुलेह आसिफ और आर्विड लुनेमार्क से हुई थी। एनीस्फीयर में माइकल ट्रुएल मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जबकि सुलेह आसिफ उत्पाद प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं। अमन सांगर ने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विस्तार और समुदाय निर्माण का नेतृत्व किया है।नवंबर 2025 में कर्सर की वार्षिक आय 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। जून 2026 की शुरुआत तक कंपनी की वार्षिक आय लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी थी।एनवीडिया, एडोबी, उबर, शॉपिफाई और पेपाल जैसी करीब 50,000 कंपनियों के लाखों सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोड तैयार करने और उसमें बदलाव करने के लिए कर्सर का उपयोग करते हैं।स्पेसएक्स के अधिग्रहण की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए अमन सांगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷कुछ बेहद शक्तिशाली मॉडल को प्रशिक्षित करने को लेकर उत्साहित हूं।÷स्पेसएक्स को उम्मीद है कि यह विलय वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।यह अधिग्रहण घोषणा स्पेसएक्स के रिकॉर्डतोड़ नैस्डैक प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के केवल चार दिन बाद आई है। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के पहले ही दिन स्पेसएक्स दुनिया की छठी सबसे अधिक मूल्य वाली सार्वजनिक कंपनी बन गई थी।कंपनी के शेयर पहले दिन 160.95 डॉलर पर बंद हुए, जिससे स्पेसएक्स का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसके साथ ही रॉकेट निर्माता कंपनी के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के पहले खरबपति (ट्रिलियनेयर) बन गए।

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

तेहरान।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे। समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया। टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था। हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे। विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं। जहाज मालिकों का कहना है कि वे तब तक होर्मुज से जहाज नहीं भेजेंगे, जब तक जहाजों पर हमले का खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता। रविवार को ही अपने 80वें जन्मदिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पीस डील का ऐलान करते हुए ।

अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से 80 डॉलर से नीचे फिसला ब्रेंट क्रूड, रुपए को भी मिला सपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि निवेशक और कारोबारी इस संभावना का आकलन कर रहे हैं कि ईरान से जुड़ा संघर्ष समाप्त हो सकता है और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.72 प्रतिशत गिरकर 78.39 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 75.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के अंतरिम समझौते से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि तेहरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा, जबकि एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को तेल बेचने की अनुमति दी जाएगी। इस सप्ताह हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत अप्रैल में घोषित युद्धविराम को 60 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के अनुसार अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाया गया अपना प्रतिबंध हटाएगा, जबकि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों और अन्य समुद्री यातायात को गुजरने की अनुमति देगा। अमेरिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान ने इस मार्ग को प्रभावी रूप से बाधित कर रखा था। इस बीच भारतीय रुपया भी मजबूत हुआ। बुधवार को घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त के साथ 94.29 पर कारोबार कर रही थी, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 94.56 पर बंद हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी में कमी आना है।

एक्स डाउन यूजर्स ने आउटेज की रिपोर्ट की, ऐप और वेबसाइट पर लॉगिन और फीड में आईं दिक्कतें

नई दिल्ली।

एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) की सर्विस में बुधवार को रुकावट आई। सुबह करीब 8:30 बजे सर्विस ठप होने की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं।आउटेज ट्रैक करने वाले प्लेटफ़ॉर्म %डाउनडिटेक्टर% के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप में दिक्कतों की शिकायत की, जबकि 29 प्रतिशत ने फीड और टाइमलाइन में समस्याओं की बात कही। वहीं, 18 प्रतिशत यूज़र्स ने वेबसाइट पर रुकावटों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब सर्विस में रुकावट आई है। इससे पहले मंगलवार शाम को भी यूजर्स ने समस्याओं की रिपोर्ट की थी।इससे पहले इस साल मई में प्लेटफ़ॉर्म में भारत समेत दुनिया भर में आउटेज (सेवा में रुकावट) की समस्या आई थी, जिसके कारण यूजर्स न तो नई पोस्ट लोड कर पा रहे थे और न ही अपने अकाउंट में लॉग-इन कर पा रहे थे। हजारों यूजर्स को एक्स के वेबपेज एक्सेस करने में परेशानी हुई, जबकि कई लोगों ने ऐप और लॉग-इन पेज में भी दिक्कतों की शिकायत की।उस आउटेज के दौरान, 41 प्रतिशत यूजर्स ने कहा कि वे लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि उतने ही यूज़र्स ने एक्स ऐप में भी दिक्कतों की बात कही।

टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध से भारत के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित- पावेल डुरोव

नई दिल्ली।

टेलीग्राम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव ने कहा है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध से 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डुरोव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि कुछ यूजर्स कथित तौर पर परीक्षा के लीक हुए प्रश्न साझा कर रहे थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। उन्होंने आगे कहा कि टेलीग्राम ने पिछले कुछ हफ्तों में सैकड़ों ऐसे चैनलों को हटा दिया है, जिन पर भारत में कथित रूप से परीक्षा से संबंधित लीक सामग्री साझा करने और उससे जुड़े घोटाले चलाने के आरोप थे। डुरोव ने यह भी कहा कि कंपनी संदेशों पर दिखाई देने वाले %एडिटेड% लेबल को और अधिक स्पष्ट बनाने पर काम कर रही है, ताकि पुराने समय की मुहर (टाइमस्टैम्प) बदलकर किए जाने वाले धोखाधड़ी और सामग्री में हेरफेर को रोका जा सके। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। यह पुनर्परीक्षा 3 मई को आयोजित मूल परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद कराई जा रही है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था। एनटीए ही देश भर के मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा आयोजित करती है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आईओसीएल बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में आई जोरदार तेजी

मुंबई।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों के बीच बुधवार को सरकारी तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। दिन के कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 410.50 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शेयर 2.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 319.50 रुपए के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गया। वहीं, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के शेयर में भी 1.61 प्रतिशत की तेजी आई और यह 147.47 रुपए के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए। तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में यह तेजी ऐसे समय आई है जब कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते के बाद ईरान का तेल निर्यात बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति संबंधी चिंताएं कम होंगी। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई और यह पिछले तीन महीनों के निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में इसमें तेज गिरावट देखने को मिली है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम समझौते के तहत ईरान को फिर से कच्चे तेल की बिक्री की अनुमति मिल सकती है। साथ ही यह समझौता दोनों पक्षों के बीच व्यापक बातचीत का रास्ता भी तैयार करेगा, जिसका उद्देश्य संघर्ष समाप्त करना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का

समाधान निकालना है। इसके अलावा, इस प्रस्तावित व्यवस्था से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोलने में मदद मिलने की उम्मीद है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इसके खुलने से क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले पांच दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमत में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह करीब 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। इससे भारत के लिए बढ़ते भुगतान संतुलन (बीओपी) घाटे की बड़ी चिंता काफी हद तक कम हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार के नजरिए से एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली में कमी आना है। यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है क्योंकि भारतीय रुपया लगातार मजबूत हो रहा है और उसमें आगे भी मजबूती आने की संभावना है। बुधवार को ऊर्जा कीमतों को लेकर चिंता कम होने और वैश्विक निवेशकों के बेहतर रुख के कारण लगातार चौथे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ कारोबार करता दिखाई दिया और हरे निशान में बंद होने में सफल रहा।

खाद्यान्न भंडारण के लिए सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम मजबूत होगी देश की खाद्य सुरक्षा

नई दिल्ली।

सरकार खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम लॉन्च करने जा रही है। यह कदम आधुनिक, तकनीक-सक्षम और अधिक कुशल सार्वजनिक भंडारण व्यवस्था के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहेंगे। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एक एकीकृत तकनीक-आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना और खाद्यान्न भंडारण से जुड़े कार्यों की दक्षता बढ़ाना है। इस पहल से एक आधुनिक भंडारण तंत्र विकसित होने की उम्मीद है, जो खाद्यान्न प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगा और लंबे समय तक देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह पहल डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई मिशन, पीएम गतिशक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे सरकारी अभियानों की सोच के अनुरूप है। कार्यक्रम के दौरान विभाग केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के उन गोदामों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने डिपो दर्पण मूल्यांकन ढांचे के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), स्वचालन और डेटा विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिनके जरिए गोदाम संचालन को बेहतर बनाया जाएगा और निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस प्रणाली के जरिए प्रवेश द्वार और वजन पुल (वेटब्रिज) संचालन का स्वचालन, डिजिटल प्रवेश प्रबंधन, गोदामों की स्थिति की स्मार्ट निगरानी, स्टॉक की बेहतर दृश्यता और एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से रियल टाइम में संचालन की निगरानी संभव हो सकेगी। यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के व्यापक सुधार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में खरीद, भंडारण और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, कार्यकुशलता सुधारने और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

भारत और मोनाको के संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे पीयूष गोयल

नीस/नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने मोनाको के प्रिंस अल्बर्ट II से मुलाकात की और स्थिरता, ब्लू इकोनॉमी, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में भारत-मोनाको साझेदारी के विस्तार पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने नीस में आयोजित प्रमुख 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी, जिसने भारत के जीवंत प्रौद्योगिकी और नवाचार इकोसिस्टम को प्रदर्शित किया तथा वैश्विक सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷मुझे विश्वास है कि भारत-मोनाको संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।÷ इससे पहले, पीयूष गोयल ने नीस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' के समापन समारोह को संबोधित किया और पिछले तीन दिनों में प्राप्त उपलब्धियों पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां भारत-फ्रांस नवाचार साझेदारी की अपार संभावनाओं को दर्शाती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रेरणादायक नेतृत्व तथा 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' के तहत उनकी साझा दृष्टि ने उस मजबूत नींव का निर्माण किया, जो आज एक वास्तविक परिवर्तनकारी मंच के रूप में उभरकर सामने आई है।

नेपाल विवादों में घिरे पोखरा एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी दैनिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

काठमांडू। चीन की फंडिंग से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को आखिरकार एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा मिलने जा रही है। दुबई स्थित एयरलाइन फ्लाईदुबई ने घोषणा की है कि वह 23 सितंबर से दुबई और पोखरा के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। यह पहली बार होगा जब पोखरा हवाई अड्डे से किसी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन द्वारा नियमित दैनिक सेवाएं संचालित की जाएंगी। 1 जनवरी 2023 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था, लेकिन अब तक इसे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नहीं मिल पाई थीं। इससे पहले हिमालय एयरलाइंस, जो नेपाल-चीन संयुक्त उद्यम का प्रतिफल है, ने मार्च 2025 में पोखरा-ल्हासा रूट पर साप्ताहिक उड़ानें शुरू की थीं, लेकिन इसी वर्ष मार्च में यह सेवा बंद हो गई थी, जिससे एयरपोर्ट फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से खाली हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इस परियोजना को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आए हैं। नेपाल की भ्रष्टाचार निरोधक संस्था कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ अब्युज ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए) ने इस हवाई अड्डे के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर कई पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से मिले 215.96 मिलियन डॉलर की फंडिंग से बनी थी और इसे चीन सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने पूरा किया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, फ्लाईदुबई को शुरुआत में एक महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर दैनिक उड़ानों की अनुमति दी गई है। इस दौरान सेवा की व्यावसायिक और तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन किया जाएगा। सीएएएन ने उम्मीद जताई है कि यदि यह सेवा सफल रहती है।

जी7 समिट में पीएम मोदी ने की इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप बनाने की अपील

एवियन ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करने की बात कही। बुधवार को उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं पैदा हो रही हैं, जिसका असर लंबे समय तक वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पर पड़ता रहेगा। फ्रांस के एवियन में आयोजित ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन के 'संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास का वास्तविक सवाल यह नहीं है कि जीडीपी कितनी है, बल्कि यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा समावेशिता, पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण पर आधारित है, जो ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के सिद्धांत से प्रेरित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दृष्टिकोण भारत की जी20 अध्यक्षता और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी पहलों में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं, और ऐसे समय में कमजोर देशों को अकेले इन झटकों का बोझ नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से विकासशील देशों को आर्थिक झटकों से बचाने के लिए मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि कई देश वृद्ध होती आबादी का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत और वैश्विक दक्षिण के देशों के पास युवा प्रतिभा और कौशल की बड़ी ताकत है। इस संतुलन का लाभ उठाने के लिए उन्होंने ÷ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप÷ की आवश्यकता बताई।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप फिर 5 ट्रिलियन डॉलर के पार

मुंबई।

बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बुधवार को 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया, जो लगभग छह सप्ताह बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा है। घरेलू शेयर बाजार में तेजी, भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने इस बढ़त को समर्थन दिया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते से जुड़ी सकारात्मक प्रगति और वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बाजार को मजबूती मिली है।

विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमी और बाजार की अस्थिरता दर्शाने वाले संकेतकों में गिरावट से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, जिसका फायदा शेयर बाजार को मिला।

इसके अलावा, पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य में 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापक बाजार सूचकांकों ने भी प्रमुख सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल से अब तक सेंसेक्स में जहां सीमित बढ़त देखने को मिली है, वहीं मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों ने अधिक मजबूत रिटर्न दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मौजूदा बाजार तेजी में निवेशकों की भागीदारी व्यापक स्तर पर बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से भारत की अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। इससे महंगाई, चालू खाते के घाटे और कंपनियों की आय पर पड़ने वाला दबाव कम होगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मजबूत बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण घरेलू निवेशकों की ओर से लगातार हो रहा निवेश है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि विदेशी निवेश का प्रवाह भी सुधरता है तो आने वाले महीनों में बाजार की धारणा को और मजबूती मिल सकती है। उन्होंने भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर भी भरोसा जताया है।

उनके अनुसार संरचनात्मक सुधार, कंपनियों की मजबूत बैलेंस शीट और बढ़ता पूंजीगत व्यय बाजार के प्रमुख विकास कारक हैं।

रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकराया सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली।

दिल्ली से रायपुर पहुंचे एयर इंडिया का एक विमान बुधवार सुबह रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान बर्ड हिट (पक्षी टकराने) की घटना का शिकार हो गया। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। रायपुर एयरपोर्ट प्राधिकरण के अनुसार, विमान रनवे पर उतरने के दौरान एक पक्षी से टकरा गया। घटना के बाद एयर इंडिया ने निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत विमान की तकनीकी जांच और सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक निरीक्षण कराए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान की विस्तृत जांच स्थापित विमानन सुरक्षा मानकों के अनुरूप की गई और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। इसके बाद विमान अपने निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना हो गया।

अधिकारियों के मुताबिक, बर्ड हिट विमानन क्षेत्र में होने वाली सामान्य घटनाओं में शामिल है और ऐसे मामलों में विमान की विस्तृत जांच के बाद ही उसे दोबारा सेवा में लगाया जाता है। फिलहाल इस घटना में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, इसी महीने की शुरुआत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 7 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिकूल मौसम के कारण एयर इंडिया के तीन विमानों को हुए नुकसान की घटना की जांच शुरू की थी। डीजीसीए के अनुसार, 7 जून को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर खड़े एयर इंडिया के तीन ए320 विमानों को तेज हवाओं और खराब मौसम के दौरान ग्राउंड इक्विपमेंट तथा विदेशी मलबे (फॉरेन ऑब्जेक्ट डेब्रिस) से नुकसान पहुंचा था। जांच और रखरखाव के लिए तीनों विमानों को ग्राउंड कर दिया गया था।

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

नीरज कुमार दुबे

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है।

जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता। लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप

डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।

संपादकीय

'चिट्टा' को चुनौती

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान ह्यचिट्टा-मुक्त गांवह्ण में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

ललित गर्ग

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

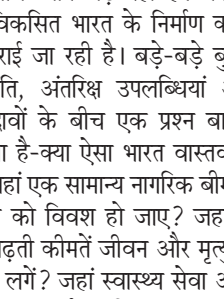

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

वेतन से आगे: विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

को यंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ. अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के 'भाग अ' के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजगार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ.योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजगार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग इ में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरूआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरूआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के लिए रोजगार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजगार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद 'स्वतंत्र भारत' से 'समृद्ध भारत' तक के सफर को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71%) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30%) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजगार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ. प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोजगार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोजगार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोजगार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोजगार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मजबूत होती है। इससे मिलने वाले फायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोजगार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोजगार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

संक्षिप्त समाचार

यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं। होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

स्विट्जरलैंड हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी को तैयार

बर्न, एजेंसी, एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का स्वागत किया है। साथ ही इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। साथ ही उसने इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करने की पेशकश की है। बयान में स्विस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि निकट और मध्य पूर्व में शांति और सुरक्षा स्विट्जरलैंड की विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्विस संघीय विदेश विभाग (एफडीएफए) ने बताया कि वह अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र से पहले बच्चे नहीं चला सकेंगे सोशल मीडिया, प्रस्ताव से 10 में से 9 अभिभावक खुश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 16 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगेगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को इसकी घोषणा की। संबंधित नियम इस साल दिसंबर तक बन जाएंगे और 2027 मार्च- अप्रैल तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार का तर्क है कि एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले उम्र सत्यापन सख्ती से लागू होगा और नियम पालन कराने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी। बैन एप में स्नैपचैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। वॉट्सएप और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाएं फिलहाल प्रतिबंध में शामिल नहीं होंगी। ब्रिटिश सरकार के एक सर्वे में 10 में से 9 अभिभावकों ने इस प्रतिबंध का स्वागत किया है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14-24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे के मुताबिक स्नैपचैट, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से डिप्रेशन, चिंता, अपने शरीर को लेकर हीन भावना और अकेलेपन में बढ़ोतरी होती है। अमेरिकी सर्जन जर्नल के मुताबिक रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताने वाले किशोरों में मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना होता है। अमेरिका में एक परीक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद करने से युवाओं में खुशी, जीवन से संतुष्टि बढ़ी, डिप्रेशन-एंग्जाइटी में सुधार हुआ। 25 से ज्यादा देश किशोरों-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में साल भर पहले प्रतिबंध लागू किया गया था। मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील में भी इस साल की शुरुआत से प्रतिबंध लागू हो चुके हैं। नॉर्वे, फ्रांस, अमेरिका, चीन जैसे कई देशों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया से जुड़े नियम सख्त किए जा रहे हैं।

अमेरिका का बी-52 बॉम्बर उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ क्रैश, हादसे में आठ लोगों की मौत

एडवर्ड्स , एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित मोजावे रेगिस्तान में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद वह दुर्घटना का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी एपी ने वायु सेना के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया के एक सैन्य अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए बी-52 बमवर्षक विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि विमान सुबह करीब 11:20 बजे एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर कहा, 'प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि इस दुर्घटना में जीवित बचना संभव नहीं था।' अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

इलाके में दिखा धुएं का गुबार : चालक दल के सदस्यों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है, हालांकि हवाई दृश्यों में विमान का मलबा लगभग पूरी तरह नष्ट दिखाई दिया। दुर्घटनाग्रस्त के बाद वायुसेना के अड्डे के एक रनवे के निकट रेगिस्तानी क्षेत्र में आग लगने से काला धुआं उठता दिखाई दिया और आसपास कई आपातकालीन वाहन तैनात थे। सेना ने यह नहीं बताया है कि बमवर्षक विमान हथियारों से लैस था या नहीं। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि आपातकालीन राहत कार्यों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए एयरबेस पर गैर-व्यावसायिक आगंतुकों के प्रवेश पास अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है। यह लॉस एंजिलिस से लगभग 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

एयरबेस पर होते हैं विमानों और हथियारों के परीक्षण : इस बेस का संचालन करने वाला 412वां टेस्ट विंग वायुसेना के सभी विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का खरीद से पहले तथा उनके पूरे सेवा काल के दौरान परीक्षण करता है। यही वह सैन्य अड्डा है जहां 1947 में वायुसेना के परीक्षण पायलट चक येगर ने मैक 1.05 की गति हासिल कर आवाज की स्पीड को पहली बार पार किया था। विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेट्टी का मानना है कि विमान का उड़ान भरने के तुरंत बाद, बिना अधिक ऊंचाई हासिल किए दुर्घटनाग्रस्त होना किसी उड़ान नियंत्रण प्रणाली में खराबी की ओर संकेत कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनके अनुसार, यह संभव है कि रखरखाव के बाद नियंत्रण प्रणाली में कोई त्रुटि रह गई हो, इंजन में गंभीर खराबी आई हो या परीक्षण किए जा रहे किसी उपकरण में विफलता हुई हो।

बीते साल टला था एक बड़ा हादसा : एडवर्ड्स वायुसेना अड्डा एक विशाल रेगिस्तानी सैन्य ठिकाना है, जहां 1947 में चक येगर ने पहली बार ध्वनि की गति को पार किया था। यह अड्डा लॉस एंजिलिस से लगभग 100 मील (161 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब लगभग एक वर्ष पहले जुलाई 2025 में नॉर्थ डकोटा के ऊपर उड़ान भर रहे एक क्षेत्रीय यात्री विमान के पायलट को संभावित टक्कर से बचने के लिए अचानक तेज मोड़ लेना पड़ा था। उस समय उसके उड़ान मार्ग में एक सैन्य बी-52 बमवर्षक विमान आ गया था।

बी-52 बॉम्बर क्यों है खास : बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और लंबे समय से सेवा में बने हुए सामरिक बमवर्षक विमानों में से एक है। इसका विकास शीत युद्ध के दौर में किया गया था, लेकिन आधुनिक तकनीकों के समावेश के कारण यह आज भी कई देशों की वायु सेनाओं के लिए अध्ययन और रणनीतिक महत्व का विषय बना हुआ है। यह विमान लंबी दूरी तक बिना रुके उड़ान भरने की क्षमता रखता है, जिससे इसे अंतरमहाद्वीपीय अभियानों में प्रभावी माना जाता है। बी-52 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी भारी हथियार वहन क्षमता है। यह पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के हथियारों को ले जाने में सक्षम है। इसके विशाल पंख और शक्तिशाली इंजन इसे लंबे समय तक हवा में बने रहने की क्षमता प्रदान करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यह हवा में ही ईंधन भरकर अपनी उड़ान अवधि को और बढ़ा सकता है। उन्नत रडार, नेविगेशन प्रणाली और संचार उपकरणों से लैस होने के कारण यह विभिन्न मौसम परिस्थितियों में भी मिशन पूरा करने में सक्षम है।

अमेरिका के साथ समझौते पर बोले ईरान के शीर्ष नेता, राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर को दिया श्रेय, स्पीकर ने बताया ऐतिहासिक जीत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक बड़े समझौते के बाद ईरान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़ार ग़ालिबाफ़ ने इस समझौते को देश के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ख़ामेनेई ने इस समझौते में 'देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों को शामिल कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो इसे देश के लिए गौरवान्वित करने वाला दस्तावेज़ माना जा सकता है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में सर्वोच्च नेता (सुप्रीम लीडर) का पद संभालने के बाद से मोजतबा ख़ामेनेई सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं और इस समझौते पर अभी तक उनकी ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है। दूसरी ओर, इस पूरी बातचीत में शीर्ष वार्ताकार की भूमिका निभाने वाले ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़ार ग़ालिबाफ़ ने इसे ईरान की 'अंतिम जीत की ओर एक बड़ा क़दम' करार दिया है। उन्होंने ईरान की जनता के ऐतिहासिक प्रतिरोध (की सराहना करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि जनता के दृढ़ व्यवहार और 'उन ताकतों के ख़िलाफ़ सशस्त्र बलों की बहादुरी, जो इस राष्ट्र का अस्तित्व मिटाना चाहते थे', ने ही ईरान को इस मकाम तक पहुँचाया है।

गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 30 से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के उत्तरी अमहारा क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया है। इस हादसे में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग घायल हैं। ये इलाका संघर्ष से प्रभावित है और हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं में देरी से स्थिति और गंभीर हो गई। बता दें कि ये हादसा सोमवार की सुबह उस समय हुई जब एक खचाखच भरी बस डेसी क्षेत्र से राजधानी अदीस अबाबा की तरफ जा रही थी। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान बस अचानक सड़क से फिसल गई और एक गहरी खाई में जा गिरी।

बचाव कार्य में देरी : हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया में देरी की वजह भी सामने ई है। जिस इलाके में ये हादसा हुआ, वहां बुनियादी ढांचे की भारी कमी है और एम्बुलेंस सेवाओं का भी अभाव है। यही कारण है कि घायलों को निजी वाहनों में अस्पताल ले जाना पड़ा। इस दौरान घायलों की हालत और बिगड़ने की आशंका है।

इथियोपिया में क्यों होते हैं ज्यादा सड़क हादसे : इथियोपिया दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की दर काफी अधिक है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें खराब सड़क ढांचा, वाहनों की जर्जर स्थिति और यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से पालन न होना प्रमुख हैं। देश के कई ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में सड़क नेटवर्क पर्याप्त विकसित नहीं है। संकरी और खराब सड़कों के कारण वाहन अक्सर नियंत्रण खो देते हैं और गहरी खाइयों में गिर जाते हैं। इसके अलावा, गलत तरीके से मोड़ लेना, खतरनाक ओवरटेकिंग करना, वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी न रखना और निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना आम समस्याएं हैं। हादसों की एक बड़ी वजह बसों और ट्रकों की खराब तकनीकी स्थिति भी है। कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों या माल को ढोते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं, सड़कों पर फुटपाथ और जेब्रा क्रॉसिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

'अफगानिस्तान में रोकें महिलाओं पर कार्रवाई', संयुक्त राष्ट्र का तालिबान से आग्रह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को शीघ्र वापस लेने और देश में सक्रिय उन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत फू कोंग ने कहा कि उम्मीद है कि अफगान सरकार मानवाधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक सक्रिय कदम उठाएगी और खुलेपन, समावेशिता तथा जिम्मेदारी की छवि पेश करेगी।

प्रस्ताव के तहत अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन की अवधि 17 जून 2027 तक बढ़ा दी गई है। साथ ही मिशन को बिना किसी भेदभाव के मानवीय सहायता पहुंचाने तथा राष्ट्रीय और स्थानीय प्रशासन को बढ़ावा देने का अधिकार दिया गया है, जिसमें लिंग, धर्म या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव न हो और महिलाओं, अल्पसंख्यकों, युवाओं तथा दिव्यांग व्यक्तियों की पूर्ण, समान, सार्थक और सुरक्षित भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पारित किया गया है जब इस महीने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबान के सख्त ड्रेस कोड के कथित उल्लंघन के आरोप में कम से कम 30 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) के अनुसार, इन गिरफ्तारियों के विरोध में हुए एक दुर्लभ प्रदर्शन को तालिबान पुलिस ने बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया था। इस दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तालिबान 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है, जब अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद उसने सत्ता संभाली थी। इसके बाद से उसने शरीयत की कड़ी व्याख्या लागू की है, जिसके तहत महिलाओं और लड़कियों पर कई कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें प्राथमिक स्तर से आगे की शिक्षा और अनेक नौकरियों पर रोक शामिल है। इन नीतियों का असर अल्पसंख्यक समुदायों पर भी पड़ा है।

प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र मिशन को तालिबान, क्षेत्रीय देशों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संवाद को सुगम बनाने का भी अधिकार दिया गया है। अमेरिका की उप राजदूत जेनिफर लोसेट्टा ने कहा, 'इस राजनीतिक प्रक्रिया की सफलता के लिए तालिबान को कदम उठाने होंगे। उसे आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा, अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करना होगा, बंधक कूटनीति समाप्त करनी होगी और महिलाओं एवं लड़कियों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन बंद करने होंगे।'

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर उन उग्रवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है, जो उसकी सीमा के भीतर घातक हमले करते हैं। हालांकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता है। फरवरी में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के भीतर किए गए हवाई हमलों के जवाब में अफगानिस्तान ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

समझौता ईरान के लिए अमेरिका के साथ खराब हो चुके रिश्तों को सुधारने का मौका : वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हुए उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि इससे तेहरान को वाशिंगटन के साथ अपने 47 साल के नाकाम रिश्तों में एक नई शुरुआत करने का मौका मिला है.

सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि इस शांति समझौते की दो मुख्य उपलब्धियां हैं - यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, और अगर ईरान समझौते में तय शर्तों का पालन करता है, तो उसके लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल होने के रास्ते खुल जाएंगे.

वेंस ने सीबीएस न्यूज से कहा, 'इस समझौते के असल में दो पहलू हैं– एक तरफ, यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे और साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोलता है... यह असल में ईरान की तरफ दोस्ती का हाथ भी बढ़ाता है और कहता है, 'देखिए, अगर आप अपनी जिम्मेदारियां निभाने को तैयार हैं, अगर आप अपने परमाणु कार्यक्रम की असल जांच-पड़ताल की इजाजत देने को तैयार हैं, तो हम दुनिया की अर्थव्यवस्था में आपका फिर से स्वागत करेंगे'.'

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति अमेरिका और ईरान के बीच 47 साल से चले आ रहे नाकाम रिश्ते के अध्याय में नयी शुरुआत करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ईरानी भी समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.'

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ हुआ समझौता 'प्रदर्शन पर आधारित' है. वेंस ने कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता है, तो उसे 300 अरब अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण निधि तक पहुंच मिल जाएगी, लेकिन यह पैसा अमेरिका से नहीं आएगा.

वेंस ने 'सीबीएस मॉर्निंग्स' को निधि के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक ऐसी चीज है, जिसका फायदा उन्हें मिल सकता है, और इसके लिए (खाड़ी सहयोग परिषद) से राशि मिलेगी, बशर्ते वे अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.' वेंस ने कहा, 'हम निश्चित रूप से (खाड़ी सहयोग परिषद) देशों द्वारा ईरान के पुनर्निर्माण में निवेश करने के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद कर दे।

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बेटे को रेप केस में 4 साल की जेल

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं।

अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं। अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी।

ट्रंप की डील पर भड़का इजरायल, रक्षा मंत्री बोले- हम ट्रंप के गुलाम नहीं, अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बनने के बाद इजरायल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। इजरायल के रक्षामंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में हुई डील इजरायल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इजरायल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

इजरायल की तरफ से यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अस्थायी संघर्षविराम पर शुरुआती सहमति बनने के बाद सामने आया। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा।

ट्रंप ने किया ऐलान : ईरान के साथ समझौते होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई। मैं इसके जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल की सप्लाई शुरू होने दो।

पाकिस्तान ने किया स्वागत : ईरान-अमेरिका के बीच समझौत का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वागत किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा, काफी बातचीत के बाद हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है।

'यह केवल 60 दिनों के लिए युद्धविराम' : युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते पर, तेल अवीव स्थित जेरूसलम सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड फॉरेन अफेयर्स के डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर ऑफ कम्युनिकेशंस, सागीव स्टीनबर्ग कहते हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कल ट्वीट किया कि हमारे पास एक शांति समझौता है। लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूं, यह कोई शांति समझौता नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि यह 60 दिनों के लिए युद्धविराम है, क्योंकि जब समझौता अभी तक पब्लिश नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि समझौते की डिटेल जानने के लिए हमें शुक्रवार तक इंतजार करना होगा।

ट्रंप और मेरी राय एक जैसी नहीं: नेतन्याहू : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों और इस डील पर मतभेदों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मैं साझेदार हैं और हम अक्सर कई मुद्दों पर एक-दूसरे से सहमत होते हैं, लेकिन कभी-कभी हमारी राय पूरी तरह एक जैसी नहीं होती। यह बयान उस समय आया है जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि ईरान के मसले पर इजरायल का अपना नजरिया है जो अमेरिकी रुख से अलग हो सकता है।

पीछे नहीं हटेगा इजरायल : नेतन्याहू ने एक बार फिर दोहराया कि इजरायल की सर्वोच्च प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि समझौता हो या न हो, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल ने खुद को विनाश से बचा लिया है, लेकिन उनकी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। इजरायली पीएम के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, इजरायल उन्हें उठाने से पीछे नहीं हटेगा। क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करते हुए नेतन्याहू ने बताया कि इजराइली सेना ने उन महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया है।

दूध-दही-बादाम बनाएगा आपको जवान

ज्यादा ऑइली और फास्ट फूड आपकी स्किन को खराब करते हैं

अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा

आपको अपनी त्वचा के लिए बेहतर फूड खाने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा

दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं

आप जवान तभी रह सकते हैं जब आपके अंदर ताकत हो और ताकत और कसी और दमकती त्वचा दोनों का मेल होने के बाद ही इंसान जवान बना रह सकता है। ज्यादा ऑइली और तली हुई चीजें फास्ट फूड और तो और कोला जैसे पेय पदार्थ आपकी स्किन के लिए सबसे हानिकार होते हैं। यह आपको फैटी बनाती हैं और स्किन को ऑइली व डूलडूल बना देती है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि कोई भी व्यक्ति हमेशा जवान नहीं रह सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है चेहरे की रौनक और चमक चली जाती है और झुर्रियां आदि पड़ने लगती हैं। कई महिलाएं और पुरु ष हमेशा यंग दिखने की फिराक में रहते हैं और इसके लिए वह कोई न कोई क्रीम आदि लगाते ही रहते हैं। जिससे की उनकी त्वचा पर और अधिक बुरा प्रभाव पड़ता है। कॉस्मेटिक आदि का इस्तेमाल त्वचा को बाहर से अच्छा बना देता है लेकिन उनमें अंदरूनी क्षमता नहीं रह जाती है। अगर आप अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही खुराक में कुछ विशेष सब्जियों, फल व फूड मैटर को शामिल करना होगा। आपको अपनी त्वचा को बेहतर फूड देने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा।

जवान बने रहने व चेहरा निखारने का नुस्खा

पालक : पालक में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है साथ ही पौटेशियम और विटामिन की भरमार होती है। इसमें काफी ज्यादा मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर की रक्षा करता है। इसके सेवन से ऊतकों और कोशिकाओं को ताकत मिलती है और वह स्वस्थ रहती हैं। खून को भी साफ रखने और मात्रा बढ़ाने में पालक कारगर होती है।

बींस: बींस में प्रोटीन और फाइबर होता है जिसमें कम कार्बोहाईड्रेट होने के कारण वसा नहीं होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। यह एंटी-एजिंग सब्जी होती है।

हल्दी : हल्दी सबसे अच्छा एंटी-एजिंग एजेंट होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेंट्री गुण होते हैं जो पाचन क्रिया को अच्छा रखते हैं और उम्र को थाम देते हैं।

बादाम: बादाम में विटामिन ''ई' होता है जो त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें मैग्नीशियम भी होता है जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को धीमा कर देता है।

अखरोट : अखरोट में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो आपकी स्किन के लिए जरूरी है।

दूध-दही : दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं।

अब 6 महीनों में हेपेटाइटिस 'सी' का इलाज

यकृत से जुड़ी जानलेवा बीमारी हेपेटाइटिस ''सी' से ग्रसित मरीजों को एंटी वायरल इलाज के जरिए छह सप्ताह की अल्प अवधि में ही ठीक किया जा सकता है। यूरोपीय देश स्पेन के बार्सिलोना शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यकृत सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत अध्ययन में बताया गया कि सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर के जरिए केवल छह महीनों में हेपेटाइटिस ''सी' से पीड़ित लोगों का इलाज किया जा सकता है। लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर का कारण बनने वाले हेपेटाइटिस ''सी' का इलाज इसके जरिए किया जा सकता है। 95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है। इन गोलियों के इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के शरीर पर दुष्प्रभाव तो कम होंगे ही इलाज की अवधि भी काफी कम हो जाएगी।यह हेपेटाइटिस ''सी' से प्रभावित लोगों का इसके अचानक शिकार हुए लोगों की तुलना में आम तौर पर दस से पन्द्रह फीसदी जल्दी ठीक करता है। विश्व भर में हेपेटाइटिस ''सी' के रोगियों की संख्या तेरह से पन्द्रह करोड़ के बीच है। प्रतिरोध से जुड़े विसंगति के अचानक उभरने के कारण हेपेटाइटिस ''सी' के मरीजों का इलाज अभी भी चुनौती बनी हुई है।इस शोध के अनुसार सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर का संयोजन न केवल सुरक्षित है बल्कि हेपेटाइटिस के मरीजों के लिए यह सहनीय और प्रभावकारी भी है लेकिन अल्प अवधि के इलाज के दौरान इसके प्रभाव में यह नहीं दिखता है।

95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस 'सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है। कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

संपादक (प्रबंधक से) - अखबार में थोड़ी सी जगह बची है क्या लिखूं?

प्रबंधक - लिख दो, कल चांदनी चौक में डाका पडा, खून हो गया.

संपादक - थोड़ी सी जगह और है.

प्रबंधक - वहां लिख दो - बाद में पता चला यह सब अफवाह थी.

☺ ☺ ☺

वकील (मुजरिम से) - तुमने एक ही दुकान में दोबारा चोरी क्यों की?

मुजरिम - साहब जी, उस दुकान के बाहर लिखा था दोबारा जरूर आएं.

☺ ☺ ☺

मुकेश (ड्राइवर से) - यह टायर पंचर कैसे हुआ?

ड्राइवर - एक कांच की बोतल पर चढ़ गया था.

मुकेश - क्या तुम्हें बोतल दिखाई नहीं दी?

ड्राइवर - जी नहीं, बोतल उस आदमी की जेब में रखी थी जो गाड़ी के नीचे आ गया था!

☺ ☺ ☺

रमेश (नौकर से) - जरा देखना तो कितने बजे हैं?

नौकर - मुझे समय देखना नहीं आता.

रमेश - अच्छा कोई बात नहीं, यह देखकर बताओ कि बडी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?

नौकर - दोनों सुइयां घड़ी में हैं.

काकुरो पहेली - 725

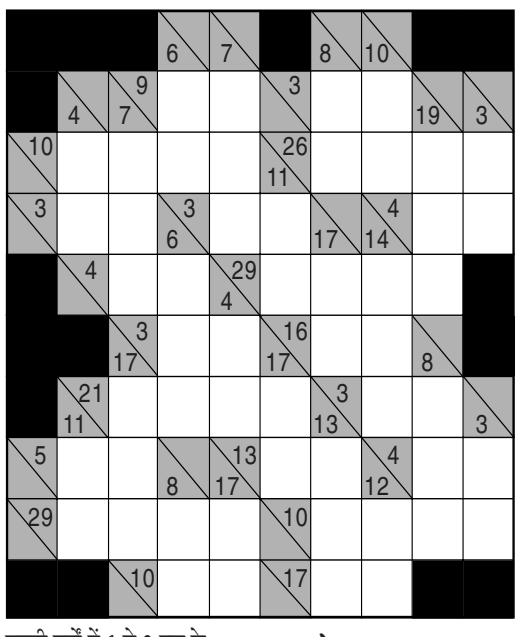

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

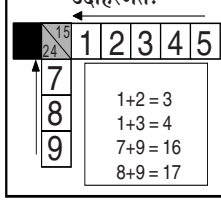

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -724 का हल

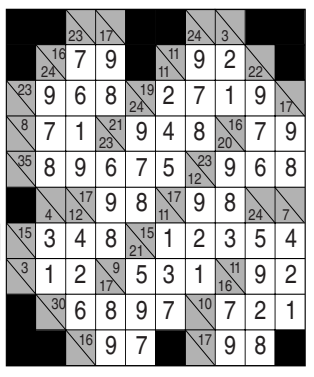

फिल्म वर्ग पहेली- 725

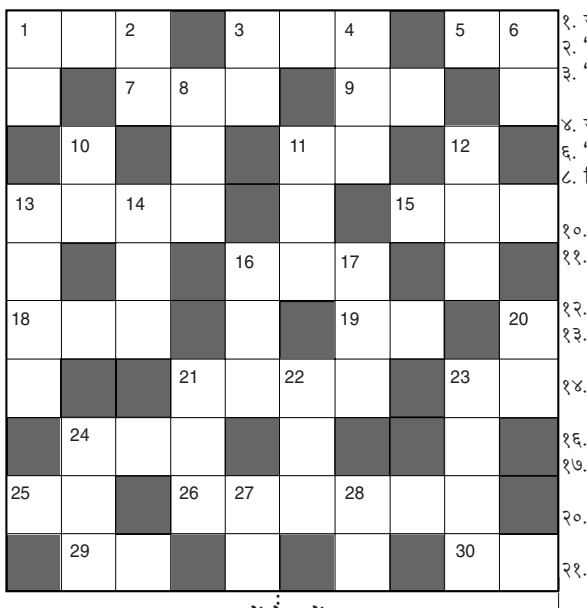

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू द्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 724

ख	मो	शी	■	आ	प	की	क	स	म
की	■	श	दी	■	ड़ो	■	भी	■	स्त
■	आ	■	वा	प	स	■	ना	■	■
प	ह	चा	न	■	न	या	क	द	म
रा	■	■	गी	ता	■	■	भी	■	ड
या	रा	ना	■	ज	मा	ना	■	स	र
ध	■	य	ति	म	■	■	रा	नी	■
न	म	क	■	ह	म	रा	ज	■	फ
■	र्या	■	■	ल	■	जे	■	■	रा
अ	दा	ल	त	■	इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -725

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -724 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 725

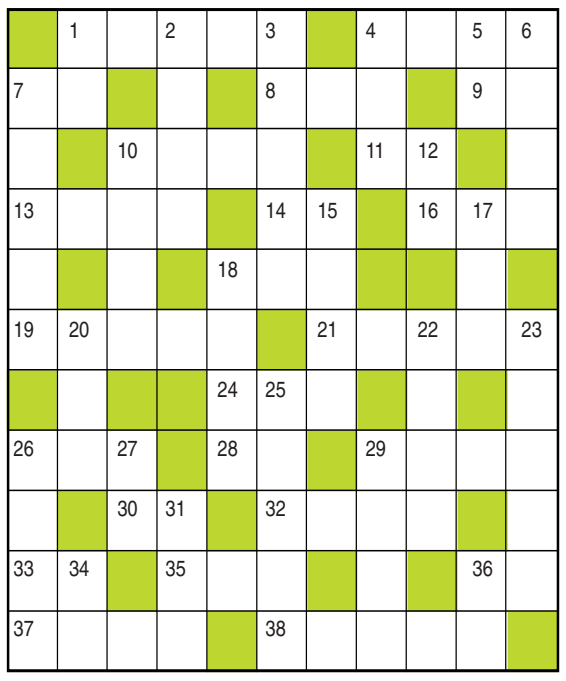

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा,रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी,कमला-2
13. ध्वनिहीनता,शांति-4
14. देवता,देव-2
16. प्रणाम,नमस्कार-3
18. रुधिरहीन,कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला,ईश्वर-5
24. प्रेम,चाहना-3
26. वन,अरण्य,जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल,मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा,सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह,प्रातःकाल-2
37. जोकर,विदूषक-4
38. संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता,बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर,निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट,खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म,दुष्कर्म-4
20. गाड़ी,यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार,व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा,आनंद-2
36. भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -724 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	न	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

'ह्यूमन इंटेलिजेंस' हमेशा प्रासंगिक रहेगाः सुनील आंबेकरा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि भले ही दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की तरफ तेजी से बढ़ रही हो लेकिन ह्यूमन इंटेलिजेंस (एचआई) यानी इंसान की सोचने-समझने की शक्ति और भरोसे का मुकाबला नहीं किया जा सकता। सुनील आंबेकर दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में इंद्रप्रस्थ विश्व संवाद केंद्र के तत्वावधान में आयोजित 'देवऋषि नारद पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 12 लोगों को सम्मानित किया गया। आंबेकर ने कहा, अभी तक जितनी भी तकनीकें आईं वे अधिकतर अंग्रेजी भाषा को प्राथमिकता देती थीं, लेकिन नया एआई हमारी राष्ट्रीय भाषाओं के साथ-साथ उन छोटी-छोटी बोलियों और लोकगीतों को भी संजो रहा है जिनकी अपनी कोई लिपि नहीं है। यह तकनीक अब हमारी भाषा और हमारी ही टोन में बात करेगी। उन्होंने सतर्क करते हुए कहा कि हमें तकनीक को देखकर 'क्रेजी' या उसके सामने 'सरेंडर' नहीं होना है बल्कि उसका उपयोग केवल अपनी सुविधा के लिए करना है।

पराली प्रबंधन को लेकर भूपेन्द्र यादव की शिवराज सिंह के साथ बैठक, प्रदूषण के उपायों को कम करने पर दिया जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कृषि भवन में पराली प्रबंधन और इसके स्थायी समाधान पर एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) योजना के अंतर्गत हुई प्रगति तथा आगामी कटाई मौसम में धान की पराली के प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पराली जलाने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि धरती माता का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। इससे मित्र कीट नष्ट होते हैं, मिट्टी की उर्वरता घटती है और प्रदूषण के कारण जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस दृष्टि से इसे रोकना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए वर्ष 2018-19 में फसल अवशेष प्रबंधन योजना शुरू की गई थी। तब से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा आईसीएआर को कुल 4,266.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इस सहायता से राज्यों में 3.54 लाख से अधिक फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों का वितरण तथा 43,500 से अधिक कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना संभव हुई है।

पराली जलाने से रोकने के लिए सही समय पर प्रेरित करने की जरूरतः सीईईडब्ल्यू रिपोर्ट

नई दिल्ली। पंजाब में फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े संचार को सभी के लिए एक जैसे समाधान से आगे बढ़ना होगा। जागरूकता को पराली न जलाने का एक स्थायी व्यवहार बनाने के लिए, किसानों के व्यवहार पर आधारित संचार रणनीतियां अपनाना जरूरी है। यह जानकारी 'काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वॉटर' (सीईईडब्ल्यू) के एक नए स्वतंत्र अध्ययन से सामने आई है। सीईईडब्ल्यू का अध्ययन, 'बिहेवियर चेंज एप्रोचेस टू टैकल स्टबल बर्निंग एट स्केल' बताता है कि भले ही वर्ष 2022 से पराली जलाने की दर्ज घटनाओं में कमी आई है, लेकिन इसे जलाने के तरीके में बदलाव और सैटेलाइट से पता लगाने की सीमाओं के कारण अब इसके आंकड़ों के विश्लेषण करने में किसानों के व्यवहार, इसे जलाने के समय और उपलब्ध विकल्पों को अपनाने की दर को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पंजाब के चार जिलों में 102 किसानों के बीच एक प्राथमिक और गैर-प्रतिनिधिक सर्वेक्षण, फोकस समूह चर्चाओं और सरकारी अधिकारियों से बातचीत के आधार पर सीईईडब्ल्यू ने पाया है कि सूचनाओं की कमी के अलावा, अविश्वास, सामाजिक मान्यताएं और वित्तीय स्थिति जैसी व्यावहारिक बाधाएं लगातार किसानों के फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। इनमें से कई बाधाएं प्रभावी और स्थानीय परिस्थिति अनुकूल संचार से दूर की जा सकती हैं।

तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने अमित शाह को लिखा पत्र, पार्टी नेताओं पर हमलों को लेकर जताई चिंता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद सौगत रॉय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल नेताओं और पार्टी कार्यालयों पर कथित हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। अपने पत्र में सौगत रॉय ने सबसे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में माओवादी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक माहौल की ओर गृह मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि राज्य में लगातार तनावपूर्ण घटनाएं सामने आ रही हैं। रॉय ने विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता और बेलियाघाटा विधायक कुणाल घोष पर हुए अंडा हमले का उल्लेख किया। यह घटना पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के बाहर हुई थी। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में तृणमूल नेताओं को निशाना बनाकर किए जा रहे ।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सिर्फ एक नारा नहीं, एक जनआन्दोलन : डा. के. लक्ष्मण

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. के. लक्ष्मण ने पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की यात्रा की बात कर रहें है। नरेन्द्र मोदी को 2014, 2019 और फिर 2024 में लगातार तीसरी बार जनता ने चुनकर साफ कर दिया है कि देश सिर्फ वादे नहीं, बल्कि काम देखता है और इसी जन-विश्वास की बदौलत एनडीए देश के 22 राज्यों में जनता की सेवा कर रहा है। मोदी सरकार की प्राथमिकता गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक उत्थान है। डा. लक्ष्मण ने कहा कि मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इसे एक जनआन्दोलन

बना दिया है। सरकार का एक ही लक्ष्य है कि हर योजना का शत प्रतिशत लाभ पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। इसी का नतीजा है कि बीते सालों में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले है। लक्ष्मण ने कहा कि तकनीक और डिजिटल गवर्नेंस की मदद से सीधे बैंक खातों में पैसा भेजकर लाखों फर्जी लोगों को हटाया गया। इससे न सिर्फ आम आदमी का काम आसान हुआ, बल्कि देश के 4.31 लाख करोड़ रूपये गलत हाथों में जाने से बच गए। मोदी के नेतृत्व में आज देश की सीमाएं और आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह मजबूत है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाईयों ने साफ कर दिया है कि यह नया भारत है, जो चुप नहीं बैठता बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता है। सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति की वजह से देश आज नक्सलवाद से मुक्त हो रहा है और हमारा रेड कॉरिडोर अब ग्रीन ग्रोथ जोन में बदल चुका है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी अब कटमनी और भ्रष्टाचार की राजनीति खत्म हो रही है और वहां के लोगों को उनका हक मिल रहा है। मोदी सरकार के विगत 12 वर्ष आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को सच करने की यात्रा है। मोदी सरकार ने जनधन योजना के तहत 58 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले, जिनमें 32 करोड़ से ज्यादा खाते सिर्फ महिलाओं के हैं। कोरोना जैसी महामारी के मुश्किल वक्त से लेकर अब तक 81 करोड़ से ज्यादा देशवासियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान पहाड़पुर में मीडिया प्रवेश पर रोक

एजेंसी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित ओड़िशा राज्य के मयूरभंज जिले दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने 20 जून को पहाड़पुर गांव में मीडिया के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन ने उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए यह निर्णय लिया है।

मयूरभंज (बारीपदा) के जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (डीआई एंड पीआरओ) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को 20 जून को पहाड़पुर गांव न जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह फैसला जिला खुफिया ब्यूरो (डीआईबी) और पुलिस अधीक्षक की सिफारिश पर लिया गया है, ताकि वीवीआईपी कार्यक्रम का शांतिपूर्ण और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने सभी मीडिया संस्थानों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सहयोग करने की अपील की है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 जून को मयूरभंज पहुंचेंगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को जिले के दौरे पर आएंगे। दोनों शीर्ष नेता 20 जून को अपने कार्यक्रम के तहत पहाड़पुर गांव का दौरा कर सकते हैं। इस दौरे के दौरान रायरंगपुर में ओडिशा में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक बड़े जनसभा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर पूरे जिले में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं।

मप्र एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त दो संदिग्ध आतंकियों को कोर्ट में किया पेश

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश एटीएस ने देशविरोधी गतिविधियों और कथित आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों मोहम्मद फराज और नईम अब्दुल्ला को विशेष न्यायाधीश डॉ. मुकेश मलिक की अदालत में पेश किया। अदालत ने मोहम्मद फराज को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया, जबकि नईम अब्दुल्ला को चार दिन के लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की रिमांड पर सौंप दिया।

एटीएस ने अदालत को बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपी नईम से पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। जांच एजेंसी उससे नेटवर्क, डिजिटल संपर्कों, विदेशी कनेक्शन और अन्य संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में पूछताछ करेगी। इस मामले में अब तक भोपाल से मोहम्मद फराज, देवबंद से नईम अब्दुल्ला, राजस्थान के अलवर से शाकिर मेव और धार से हाजी अजहर की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं हरियाणा के नूंह से एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए भोपाल लाया गया है। एटीएस पूरे नेटवर्क, डिजिटल रिकॉर्ड, विदेशी

संपर्कों और आर्थिक लेन-देन की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि टेलीग्राम और वाट्सएप ग्रुप्स के जरिए युवाओं को जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। फराज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को जोड़ने और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े वीडियो साझा करने के लिए ग्रुप बनाता था। वह पिछले करीब चार वर्षों से डिजिटल गतिविधियों में सक्रिय था। अब एटीएस डिजिटल गतिविधियों, विदेशी फंडिंग और पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है।

उप्र का मौसम : 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रयागराज रहा देश में सबसे गर्म शहर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक जल्द होने वाली है लेकिन इसके पहले प्री-मानसून में ही बारिश हो रही है। गोरखपुर में अचानक तेज आंधी के साथ बारिश हुई जबकि महराजगंज मे भी ऐसा ही मौसम रहा। बुंदेलखंड में भी बूंदाबांदी हुई है। उधर 44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ प्रयागराज देश में सर्वाधिक जबकि 43 डिग्री सेल्सियस के साथ वाराणसी देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में लू चलने की संभावना व्यक्त की है। उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से मौसम का रुख लगातार बदलता हुआ नजर आ रहा है। कई जिलों में कहीं तेज धूप हो रही है तो कई स्थानों पर कभी बादलों की आवाजाही और बीच-बीच में तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो रही है। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम नजर आया। पूर्वांचल में गोरखपुर और महाराजगंज के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में झांसी में भी गरज चमक के साथ बूंदाबांदी हुई है। कई स्थानों पर अधिक बारिश होने से जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और आने वाले दिनों

में मौसम के रुख में बदलाव दिखेगा। इसी बीच मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रभावी मौसम तंत्र की अनुपस्थिति में प्रदेश की मौसमी सक्रियता में प्रभावी कमी के परिणामस्वरूप तापमान में प्रभावी वृद्धि के दृष्टिगत प्रदेश में एक बार फिर से गर्मी में वृद्धि होने की संभावना के दृष्टिगत आगामी 4-5 दिनों के दौरान कहीं- कहीं ऊष्ण लहर (लू) की स्थितियाँ उत्पन्न होने की संभावना है यद्यपि इस दौरान यदा-कदा थंडरस्टार्म के साथ कहीं कहीं बूंदा-बांदी/छिटपुट वर्षा की संभावना भी बनी रहेगी7 इसी क्रम में अभी उत्तर प्रदेश में मानसून के अग्रसरण के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं7 मौसम विभाग के अनुसार 44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ प्रयागराज देश में सर्वाधिक जबकि 43 डिग्री सेल्सियस के साथ वाराणसी देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा।

शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम मंदिर की घटना को बताया आस्था के साथ खिलवाड़

एजेंसी

जबलपुर। द्वारका पीठ के शंकाराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने आयोध्या के श्री राम मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे की चोरी की घटना पर चिंता जाहिर करते हुए इसे आस्था के साथ खिलवाड़ बताया है, साथ ही उन्होंने सनातनी हिंदू मंदिरों के प्रबंधन को स्वतंत्र सनातन बोर्ड के गठन की मांग की है।

शंकाराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती परमहंसी गंगा आश्रम जाने से पहले मंगलवार शाम को जबलपुर पहुंचे थे। उन्होंने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत करते हुए कहा कि जब वैकल्पिक व्यवस्था तैयार होती है, तो इसी तरह के परिणाम सामने आते हैं। जिसका जो काम है और जो उसके योग्य है, उसे ही वह कार्य सौंपा जाना चाहिए। अधिकारी जो मंदिर की देखरेख करते हैं, उनकी नजर में मंदिर पर्यटन स्थल से ज्यादा कुछ नहीं हैं, इसलिए अब मांग उठ रही है कि सनातन बोर्ड का गठन किया जाए। अयोध्या के राम मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे की 200 करोड़ की चोरी होने की बात सामने आई है, जिसमें कि नोटों की गिनती से जुड़े करीब 50 कर्मचारी संदेह के घेरे में

हैं। शंकाराचार्य ने कहा कि यह काम उन लोगों का नहीं है, जो लोग इसे कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जिन्होंने भी यह चोरी जैसा अपराध किया है, उन्हें कठोर दंड दिया जाना चाहिए, ताकि दूसरी बार वहां भी और अन्य दूसरे मंदिरों में इस तरह की प्रवृत्ति न हो और उस पर रोक लगा सके। उन्होंने कहा कि हम लोगों को यही तो आपत्ति है कि सनातन धर्मालंबियों के हिंदुओं के जितने भी मंदिर हैं पूरे देश में वो शासनाधीन है, जो अधिकारी हैं, कर्मचारी हैं उनका परिवर्तन होता रहता है, तबादला होता हैं। उनको धार्मिकता का अनुभव नहीं होता है, शास्त्र का ज्ञान नहीं होता है, विधिनिषेध का ज्ञान नहीं होता है, पाप पुण्य का ज्ञान नहीं होता है, ये सब मंदिरों को पर्यटक स्थल के दृष्टिकोण से देखते हैं, जबकि हम लोग वहां जाने वाले सनातन धर्मावलंबी, हिंदू यात्री दर्शन करने के लिए जाते हैं। हमारा दृष्टिकोण तपोभूमि होता है।

शंकाराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने कहा कि हमारी यह मान्यता है कि मंदिर और धर्म स्थान, जहां धर्म और ब्रह्म की सत्ता विद्यमान होती है, सकारात्मक ऊर्जा होती है, आध्यात्मिक शक्ति होती है। उसे प्राप्त करने के लिए लोग जाते हैं, अपनी गाढ़ी खून पसीना की कमाई वहां अर्पण करके आते हैं। मंदिर में उसका अच्छा सदुपयोग होना चाहिए, ईमानदार व्यक्तियों की नियुक्ति होनी चाहिए। शंकाराचार्य ने कहा कि देश और विदेश की जनता के बीच यह समाचार अच्छा नहीं है। कल तक राम मंदिर निर्माण के बाद लोगों को जो प्रसन्नता का अनुभव हो रहा था, इस घटना के बाद उस पर चोट लगी है। उन्होंने कहा कि हम लोग चाहते हैं कि सनातन धर्म संरक्षण समिति या सनातन धर्म बोर्ड का निर्माण हो और सारे धार्मिक जितने भी विषय हैं, धार्मिक स्थल हैं, वह सब उन सबको सौंप दिया जाएं, क्योंकि जिन लोगों को जिस विषय का ज्ञान है वही उसे समस्या का हल कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर संचालन वो कर सकता है, जिनको अनुभव हो। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार वो लोग इसलिए करते हैं कि पाप-पुन्य का उन्हें भय नहीं है।

छत्तीसगढ़ में ईडी ने की पांच जिलों में छापेमारी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने एक साथ पांच जिलों में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने 5 अलग-अलग जिलों में 9 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है। प्रमुख लोगों के व्यावसायिक और आवासीय परिसरों पर कार्रवाई चल रही है, जिसमें प्रकाश सालुंगे किशोर एग्रो रायपुर, ठेकेदार दीपेश गांधी, शाश्वत लुणावत और मानसून एग्रो अंबिकापुर के राकेश गुप्ता शामिल है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई प्रदेश के बहुचर्चित 575 करोड़ रुपये के जिला खनिज न्यास निधि घोटाला और भारतमाला परियोजना में हुए भूमि अधिग्रहण मुआवजा घोटाले को लेकर हुई है। जिला खनिज न्यास घोटाले की जांच को लेकर ईडी के अधिकारियों ने रायपुर, दुर्ग, धमतरी, अंबिकापुर और महासमुंद में अलग-अलग ठिकानों पर पहुंच गए हैं।जांच एजेंसी ने उन लोगों को घेरे में लिया है जो पिछले कुछ सालों में सरकारी ठेकों और सप्लाई में शामिल रहे हैं। राजधानी रायपुर के शंकर नगर इलाके में कारोबारी शाश्वत लूणावत और अन्य करीबियों के ठिकानों पर सुबह से जांच चल रही है। वहीं धमतरी में भारतमाला प्रोजेक्ट के ठेकेदार दीपेश गांधी के आमापारा स्थित घर पर ईडी ने डेरा जमा लिया है। ठेकेदार दीपेश गांधी के यहां से फाइनेंशियल रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा जुटाया जा रहा है। ये कार्रवाई सीधे तौर पर डीएमएफ फंड के दुरुपयोग और लेन-देन से जुड़ी बताई जा रही है।सूत्रों के मुताबिक, ईडी के अधिकारी घर के अंदर दस्तावेजों को खंगाल रहे हैं और बाहर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। दुर्ग में वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड और दस्तावेजी सबूतों को खंगालने के लिए कई ठिकानों की जांच जारी है। सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के फर्म मानसून एग्रो पर ईडी ने छापा मारा है। राकेश गुप्ता कृषि विभाग में बड़े सप्लायर रहे हैं। पिछली सरकार के दौरान उनके फर्म के जरिए हुए कामों पर ईडी की पैनी नजर है। टीम पिछले कुछ घंटों से सप्लायर रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रांजेक्शन और सप्लाई चेन की बारीकी से जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ के कोरिया में भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष को कार में जिंदा जलाया ,भाई की भी मौत

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में सोनहत थाना क्षेत्र में नौगई गांव में मंगलवार-बुधवार दरम्यानी रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष को जिंदा जलाकर मार दिया गया। आरोप है कि रेत कारोबार से जुड़े लोगों ने उनके घर के सामने उनकी फॉर्च्यूनर कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में गंभीर रूप से झुलसे भाजपा नेता के शिक्षक भाई की अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने अब तक चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अक्षय त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी शामिल हैं। बाकी तीन फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस घटना में दो लोगों की मौत की पुष्टि की

आधिकारिक तौर पर की गई है। उनके भाई नागेंद्र सिंह (जो पेशे से शिक्षक थे) की भी मौत हो चुकी है। पीड़ित परिवार की शिकायत और प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपितों को नामजद कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपित के रूप में स्थानीय भाजपा नेता और रेत माफिया मनोज त्रिपाठी का नाम सामने आया है। मनोज त्रिपाठी के परिवार के सदस्यों और जांच में पुष्टि हुई है कि मृत भाजपा नेता भरत सिंह के भतीजे द्वारा नौगई में लिए गए रेत घाट के ठेके को लेकर मनोज त्रिपाठी के गुट से पुराना विवाद चल रहा था, जिसके चलते इस खौफनाक हत्याकांड को अंजाम दिया गया। सोनहत थाना पुलिस ने मनोज त्रिपाठी और अन्य आरोपितों के खिलाफ हत्या और आगजनी सहित विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सोनहत पुलिस ने बताया कि सोनहत के नौगई गांव में भाजपा नेता और पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह के रिश्तेदार नागेंद्र सिंह के बेटे ने नौगई रेत घाट का ठेका लिया था। रेत के अवैध खनन और तस्करी को लेकर उनका भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार से लंबे समय से विवाद चल रहा था। देर रात करीब 12 बजे कुछ लोगों ने भरत सिंह के घर को घेर लिया।

विवाद बढ़ने के बाद आरोपितों ने फॉर्च्यूनर कार के सामने डंपर वाहन लगाकर उसका रास्ता रोक दिया और कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। कार में भरत सिंह, उनका भाई और शिक्षक नागेंद्र सिंह, रायपुर निवासी वीरू सिंह समेत एक अन्य व्यक्ति सवार थे। हमलावरों ने वाहन में सवार लोगों को बाहर निकलने और जान बचाकर भागने का मौका नहीं दिया, जिससे वे आग की चपेट में आ गए।कार सवार भरत सिंह बुरी तरह से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मप्र के उज्जैन में महामंडलेश्वर सुमनानंद को मिली जान से मारने की धमकी

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मंगलनाथ रोड स्थित गंगाघाट श्री मौन तीर्थ पीठ के पीठाधीश्वर और निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी एक पत्र के जरिए दी गई है। इसमें उदयपुर के टेलर और दिल्ली में हाल ही में ईद के मौके पर युवक की हुई हत्या जैसा हश्र करने की धमकी दी गई है।

महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज ने बताया कि गंगाघाट श्री मौन तीर्थ पीठ पर सोमवार शाम को एक चिट्ठी मिली थी। जब इसे खोला गया तो पता चला कि उसमें हाथ से लिखा एक पत्र है, जिसमें उनके लिए धमकी भरे शब्द लिखे गए हैं। पत्र उत्तर प्रदेश के महू शहर से भेजा गया है। पत्र में नबी की शान में गुस्ताखी का जिक्र करते हुए जहन्नुम पहुंचाने की धमकी दी गई है। साथ ही लिखा गया है कि तुझे मोदी और मोहन कोई नहीं बचा सकेगा। महामंडलेश्वर ने बताया कि पत्र पड़ने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इसकी जानकारी उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को भी दे दी

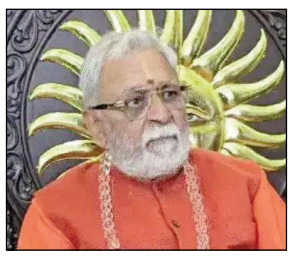

है। उन्होंने कहा कि सनातन के लिए लगातार काम करने के कारण उन्हें इस तरह की धमकियां मिल रही हैं। इससे पहले उन पर बड़ौदा और उज्जैन में भी हमला हो चुका है, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई है।

पत्र में लिखा है कि सुबेर सुमनानंद, अब पानी सर के ऊपर जा रहा है। बार-बार मना करने पर भी तू अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। मुसलसल हमारे प्यारे नबी की शान में गुस्ताखी कर रहा है। कन्हैया लाल दर्जी के कत्ल का वीडियो देख। दिल्ली में बकरीद पर काफिर पिल्ले की कुर्बानी का वीडियो देख। अब तेरी बारी है। जहन्नुम में जाएगा तू। तेरा मोदी और मोहन कोई बचा नहीं पाएगा, इंशाअल्लाह। बच सको तो बचो।

यह पहला मौका नहीं है, जब महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि को धमकी मिली हो। इससे पहले 2025 में भी एक पत्र के माध्यम से धमकी दी गई थी, जो प्रयागराज (यूपी) से उर्दू में लिखकर भेजा गया था। सगीर अहमद पुत्र रिजवान नाम के व्यक्ति ने नवाब नगर, करेली, प्रयागराज (यूपी) के पते से एक लिफाफे में बंद उर्दू में लिखा पत्र भेजा था। इसके पहले भी वर्ष 2023 में किसी अज्ञात व्यक्ति ने अखाड़ा परिषद की बैठक के दौरान उर्दू में पत्र भेजकर धमकी दी थी। दरअसल, महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज पहले अपने आश्रम में मुस्लिम लड़कियों को सनातन धर्म में शामिल कर उनका विवाह सनातन रीति-रिवाज से करा चुके हैं। मंगलनाथ मंदिर मार्ग स्थित मौनी तीर्थ पर 23 जून 2024 को उज्जैन निवासी अनिकेत चौबे ने तलाकशुदा मुस्लिम महिला फरहा से विवाह किया था। महिला ने सनातन धर्म अपना लिया था। वहीं उसकी बेटी जारा ने भी सनातन धर्म अपना लिया था। इसके बाद फरहा ने अपनी मर्जी से हिंदू युवक अनिकेत चौबे के साथ मौन तीर्थ में ही विवाह की सारी रस्में की थी। अनिकेत चौबे ने मांग में सिंदूर भरकर मंगलसूत्र पहनाकर फरहा को पत्नी के रूप में और उसकी बेटी जारा को बेटी के रूप में अपनाया था।

अनंत अंबानी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर में लगाई हाजिरी

एजेंसी

वाराणसी। देश के जाने माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे व रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अनंत एम. अंबानी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर में हाजिरी लगाई। कड़ी सुरक्षा के बीच अनंत अंबानी ने मां अन्नपूर्णा मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता का दर्शन पूजन किया। मंदिर के पीठाधीश्वर की देखरेख में दर्शन पूजन के बाद अनंत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के लिए पहुंचे। बाबा के दरबार में अनंत ने विधि विधान से बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का षोडशोपचार विधि से पूजन अर्चन किया।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में अनंत को देख कर शिवभक्तों ने हर–हर महादेव के उद्घोष से उनका स्वागत किया। अनंत अंबानी भी हाथ जोड़ कर बाबा के भक्तों के प्रति सम्मान दिखाते रहे। बाबा का दर्शन्

पूजन कर आह्लादित अनंत ने कहा कि बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर मैं धन्य हो गया। बाबा के दर्शन पूजन के लिए अनंत अंबानी चार्टर्ड प्लेन से बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतर राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आए। एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से दर्शन पूजन के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम आए। स्वभाव से धार्मिक अनंत अंबानी देश के विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए अक्सर जाते रहते है। ब्राउन विश्वविद्यालय से स्नातक अनंत एम. अंबानी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड और रिलायंस फाउंडेशन के बोर्ड में कार्यरत हैं। अनंत एम. अंबानी डिजिटल कनेक्टिविटी, उपभोक्ता परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भारत की कुछ सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहलों का नेतृत्व कर रहे हैं। व्यवसाय से अलग भी अनंत अंबानी ने वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और करुणापूर्ण संरक्षण के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वे गुजरात के जामनगर में 3,000 एकड़ के हरे-भरे पारिस्थितिकी तंत्र में फैले एक अग्रणी वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण अभियान, वंतारा के संस्थापक हैं।

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

फीफा विश्व कप 2026

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया।इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

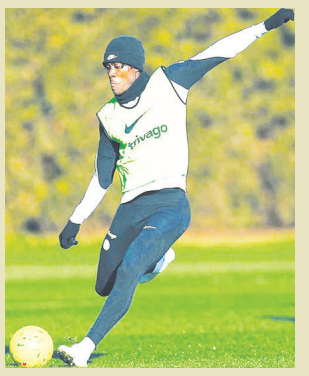

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 403 रनों का विशाल लक्ष्य दिया

गिल और किशन ने खेली शानदार शतकीय पारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का लक्ष्य दिया। 49.5 ओवर में टीम इंडिया 402 रन पर सिमट गई। पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हुए। उसके बाद रोहित शर्मा ने बेहतरीन 48 रन बनाए और कप्तान गिल व इशान किशन ने ताबड़तोड़ शतकीय पारियां खेलीं। शुभमन गिल ने 154 और इशान किशन ने 125 रन बनाए। वहीं रोहित शर्मा ने भी 48 रन की पारी खेली। भारत ने वनडे इंटरनेशनल में 8वीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। अफगानिस्तान के लिए खरोटे ने 4 और राशिद खान ने 3 विकेट झटके।

शुभमन गिल भारत में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली और शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गिल अब भारत में इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में ना सिर्फ यह रिकॉर्ड बनाया और बल्कि शतक भी लगाया। गिल ने भारत में 19 इनिंग्स में एक हजार वनडे रन पूरे किए हैं। इससे पहले भारत में सबसे तेज एक हजार वनडे रन का रिकॉर्ड कोहली और धवन के नाम था जिन्होंने संयुक्त रूप से 24 इनिंग्स में यह कमाल किया है। लिस्ट में तीसरे नम्बर पर नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर हैं, इन दोनों ने 25 इनिंग्स में ऐसा किया है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर ईशान किशन हैं जिन्होंने 26 इनिंग्स में भारत में एक हजार रन पूरे किए हैं।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

रोहित को लेकर जोंटी बोले-

उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला

केपटाउन। जोंटी रोड्स का मानना है कि भले ही रोहित शर्मा को जन्म से ही कोई असाधारण टैलेंट नहीं मिला था लेकिन अपने काम करने के तरीके में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) की वजह से उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। रोहित क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी कप्तान के तौर पर उनका करियर शानदार रहा है। रोहित अभी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं। रोड्स ने मुंबई इंडियंस के साथ फील्डिंग कोच के तौर पर बिताए अपने समय को याद किया, जब उन्होंने बहुत करीब से देखा था कि रोहित अपने खेल पर कैसे काम करते थे। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक रोहित की खासियत यह है कि वह मुश्किल चीजों को भी आसान बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पत्रकारों से हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित शर्मा को प्रैक्टिस करते हुए देखने का मौका मिला।

पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

किरण ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़

सूरत। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने मंगलवार को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है। 48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9:09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: आयरलैंड को हराकर इंग्लैंड ने दर्ज की दूसरी जीत

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने आयरलैंड को 20 ओवर में 118/9 पर रोक दिया, फिर कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट की अहम साझेदारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि जीत के बीच इंग्लैंड को अपनी कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंता भी सताने लगी है। 119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली और 64 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

नैट 37 गेंदों में 48 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन 16वें ओवर में उनकी पुरानी पिंडली (काफ) की चोट फिर उभर आई। इसके चलते उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और मैच अधिकारियों ने उन्हें रिटायर्ड आउट घोषित किया। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ दो रन दूर रह गईं। मैच के बाद नैट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगली बार वह उन दो रनों का इंतजार जरूर करेंगी।

हीदर नाइट ने दिया फिटनेस अपडेट

मैच के बाद हीदर नाइट ने बताया कि नैट को उसी काफ में हल्का खिंचाव महसूस हुआ, जिसमें पहले भी चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर भेजा गया। अगले कुछ दिनों में उनकी जांच होगी और उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगी।'

क्या स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेंगी नैट?

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 20 जून को स्कॉटलैंड से है। नैट की फिटनेस को देखते हुए इस मैच में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह उपलब्ध नहीं होती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। हालांकि इंग्लैंड चाहेगा कि 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले तक उनकी कप्तान पूरी तरह फिट हो जाएं।

गेंदबाजों ने आयरलैंड को किया बेबस

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत शानदार रही। लिन्सी स्मिथ ने पहले ही ओवर में एमी हंटर को आउट किया, जबकि लॉरेन बेल ने कप्तान गैबी लुईस को गोल्डन डक पर चलता किया। आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक 57 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। आखिर में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 118/9 तक पहुंचाया।

नैट की पारी ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने पांच ओवर के भीतर दोनों ओपनरों एमी जोन्स और डैनी वायट-हॉज के विकेट गंवा दिए। एलिस कैप्सी भी सस्ते में आउट हो गईं और स्कोर 35/3 हो गया। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली। हीदर ने 23 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि नैट ने 48 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके रिटायर्ड आउट होने के बाद कुछ और विकेट गिरे, लेकिन चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने 18वें ओवर में इंग्लैंड को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

'जीवन भीमा योजना' में पहली बार दोहरी भूमिका निभाएंगे अरशद वारसी

अभिनेता अरशद वारसी एक डार्क कॉमेडी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जीवन भीमा योजना' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर आज सामने आया है। इस फिल्म में अरशद वारसी डबल रोल में नजर आएंगे। अपने करियर में पहली बार अरशद किसी फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे। आज फिल्म का टीजर रिलीज किा गया है। जानिए कब रिलीज होगी अरशद की ये फिल्म?

1 मिनट 16 सेकंड के इस टीजर में कॉमेडी और ड्रामा की पूरी झलक दिखती है। साथ ही दिखता है कि कैसे कॉमेडी ऑफ इरर्स से होता है पूरा हंगामा। टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि अरशद वारसी के एक किरदार की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाती है। फिर अरशद का दूसरा किरदार अपने हमशक्ल की मौत का फायदा उठाकर बीमा की रकम हासिल करने की कोशिश करता है। लेकिन ये इतना आसान नहीं रहने वाला है।

ऐसी है कहानी

अरशद वारसी इस फिल्म में दो हमशक्ल व्यक्तियों की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी जिंदगी अप्रत्याशित और खतरनाक तरीके से एक-दूसरे से जुड़ जाती है। इसके बाद शुरू होती है अपराध, धोखे और डार्क ह्यूमर से भरपूर घटनाएं। 'जीवन भीमा योजना' लालच, मजबूरी, प्यार और एक गलत फैसले के दूरगामी परिणामों की कहानी है। फिल्म जीवन और उसकी पत्नी योजना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। उनकी जिंदगी में तब बड़ा मोड़ आता है, जब उन्हें भीमा नाम का एक व्यक्ति मिलता है, जो हूबहू जीवन जैसा दिखता है। दोनों एक ऐसी योजना बनाते ,हैं जिसमें जीवन की मौत का नाटक कर बीमा की रकम हासिल की जा सके। लेकिन यह आसान योजना तब बुरी तरह उलझ जाती है, जब मरा समझा गया व्यक्ति हीरे की तस्करी से जुड़े एक खतरनाक गिरोह से संबंध रखता हुआ निकलता है।

अभिषेक डोगरा द्वारा निर्देशित 'जीवन भीमा योजना' अंशु मिश्रा द्वारा स्टार बीम वेंचर्स लिमिटेड के बैनर तले निर्मित है। इस फिल्म में अरशद वारसी के अलावा संजीदा शेख, विजय राज, पूजा चोपड़ा और बिजेंद्र काला जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिल्म मानसून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कृति सेनन की बड़ी प्रॉपर्टी डील!

कास्टिंग डायरेक्टर को बेचे अंधेरी के 4 अपार्टमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपनी बहन नुपुर सेनन और मां गीता सेनन के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट में स्थित चार अपार्टमेंट कुल 8.9 करोड़ में बेच दिए हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, इन फ्लैट्स को फिल्ममेकर और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने खरीदा है।

इतने करोड़ का हुआ फायदा

सेनन परिवार ने इन चारों अपार्टमेंट्स को 2013 से 2017 के बीच करीब 4.31 करोड़ में खरीदा था। अब 8.9 करोड़ में बिक्री के साथ उन्हें लगभग 4.6 करोड़ का फायदा हुआ है, यानी करीब 107% का मुनाफा, जो 9 से 13 साल की अवधि में मिला। रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट बेचे दस्तावेजों के मुताबिक, यह बिक्री चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए की गई, जो 24 अप्रैल 2026 को रजिस्टर हुए। अंधेरी वेस्ट के रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट 3.23 करोड़-3.23 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 654.23 स्क्वायर फीट है और हर फ्लैट के साथ एक कार पार्किंग भी शामिल है। दोनों डील्स पर 19.41 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000-30,000 का रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा। इसी बिल्डिंग में मौजूद बाकी दो छोटे अपार्टमेंट 1.21 करोड़-1.21 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 246.06 स्क्वायर फीट है। इन पर 7.29 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000 प्रति यूनिट रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा।

कब खरीदे थे ये अपार्टमेंट

स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, गीता सेनन ने जुलाई 2013 में दो बड़े अपार्टमेंट 1.40 करोड़ में खरीदे थे, जबकि कृति और नुपुर सेनन ने जून 2017 में बाकी दो फ्लैट्स 2.90 करोड़ में खरीदे थे। इस तरह परिवार का कुल निवेश करीब 4.31 करोड़ था।

पहली बार खलनायक बनेंगी शबाना आजमी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' में पहली बार एक खलनायक की भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नफीसा होगा। फिल्म के प्रोड्यूसर विशेष भट्ट ने इंस्टाग्राम पर शबाना आजमी के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की घोषणा की। उन्होंने बताया कि शबाना आजमी जैसी दिग्गज अभिनेत्री का इस फिल्म से जुड़ना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है और उनके आने से कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा।

टाइटल विवाद के बीच मनोज बाजपेयी का बड़ा बयान

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' अपने टाइटल को लेकर काफी विवादों में रही थी। इसी वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि आखिर कितनी सावधानी जरूरी है, तो उन्होंने कहा, 'बहुत ध्यान रखना पड़ता है। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर बातचीत में कहा कि आज के समय में लोग बहुत जल्दी आहत हो जाते हैं। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में। हर कोई जैसे तैयार बैठा है कि कोई उसे आहत करे। जैसे कोई कह रहा हो- 'आओ मुझे ऑफेंड करो, मैं सुबह से बैठा हूं।' उन्होंने आगे कहा कि जब लोग इतने संवेदनशील हो जाते हैं, तो फिल्ममेकर्स को और ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'आप नहीं चाहते कि जिस फिल्म को बनाने में इतनी मेहनत लगी है, उसे बेवजह विवादों में घसीटा जाए। फिल्म सिर्फ एक इंसान की मेहनत नहीं होती, इसमें कई लोगों की मेहनत और करियर जुड़ा होता है।' बात को सकारात्मक अंदाज में खत्म करते हुए मनोज ने कहा, 'हम ऐसे समय में हैं जहां हमें सोच-समझकर काम करना पड़ता है। लेकिन हम एक ऐसे समय की उम्मीद जरूर करते हैं, जब कोई भी बात पर आहत न हो।'

बड़े बजट की रोमांस थ्रिलर फिल्म से जुड़ सकती हैं कीर्ति सुरेश

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति सुरेश के अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक बड़े बजट की रोमांस-थ्रिलर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, कीर्ति एक प्रमुख फिल्मकार की नई फिल्म से जुड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें कीर्ति को ऐसे जॉनर में देखने का मौका मिल सकता है, जिसमें उन्होंने अब तक बहुत ही कम काम किया है। कीर्ति सुरेश पिछले कुछ वर्षों में तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी फिल्मों में लगातार सक्रिय रही हैं। उन्होंने व्यावसायिक फिल्मों के साथ-साथ अभिनय प्रधान भूमिकाओं में भी अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में रोमांस और थ्रिलर के मिश्रण वाली कहानी में उनका चयन दिलचस्प माना जा रहा है।

नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं सुभाष घई

बॉलीवुड निर्देशक सुभाष घई की मशहूर फिल्म 'ताल' आज भी लोगों को बहुत पसंद है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। सुभाष घई इस सुपरहिट रोमांटिक फिल्म का दूसरा भाग यानी 'ताल 2' बनाने की सोच रहे हैं। सुभाई ने सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा कि क्या वह नए कलाकारों के साथ 'ताल 2' देखना चाहेंगे?

सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर ताल का एक पोस्टर हाथ में पकड़े हुए तस्वीर शेयर की है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि फिल्म की तारीफ रोजर एबर्ट ने की थी। इसी के साथ उन्होंने प्रशंसकों से पूछा कि क्या उन्हें इसे नए कलाकारों और निर्देशक के साथ 'ताल 2' बनानी चाहिए।

अपनी पोस्ट में सुभाष घई ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए सबसे बड़ी तारीफ किससे मिली थी। साल 2005 में शिकागो के 'एबर्टफेस्ट' में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हॉलीवुड के मशहूर फिल्म समीक्षक रोजर एबर्ट ने फिल्म 'ताल' की तारीफ की थी।

रोजर एबर्ट ने 'ताल' को 'शुद्ध मनोरंजन' और 'मासूमियत से भरी' फिल्म बताया था। उन्होंने कहा था कि इस फिल्म में हॉलीवुड के पुराने दौर के क्लासिक संगीत जैसा जादू है, जो अब अमेरिकी फिल्मों से गायब हो चुका है। वह फिल्म के गानों, डांस और ऐश्वर्या राय की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हुए थे। फिल्म 'ताल' 1999 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना ने मुख्य भूमिका निभाई है। अमरीश पुरी और आलोक नाथ सहायक भूमिकाओं में दिखें। इस फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने दिया था, जिसके गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं।

अपनी पीढ़ी की सबसे अंडररेटेड अभिनेत्रियों में से हैं कृति खरबंदा

जिस इंडस्ट्री में, अक्सर शोर, सुर्खियों और दिखावे को सफलता का पैमाना माना जाता है, वहां कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो बिना ज्यादा प्रचार के अपनी निरंतरता, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण के दम पर मजबूत करियर बनाते हैं और कृति खरबंदा इसी श्रेणी की अभिनेत्री हैं। वर्षों से कृति ने हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा में सफलतापूर्वक काम करते हुए अलग-अलग इंडस्ट्री, जॉनर और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है।

अपनी मजबूत फिल्मोग्राफी के बावजूद उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों की चर्चा में वह जगह नहीं मिली, जिसकी वे हकदार रही हैं। शायद यही वजह है कि 'राणा नायडू 2' में उनकी परफॉर्मेंस, सीरीज की रिलीज़ के एक साल बाद भी, चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

गौरतलब है कि आलिया ओबेरॉय के किरदार में कृति ने भारत की सबसे चर्चित स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी में कदम रखा और अपने साथ एक ताजगी भरी ऊर्जा लेकर आईं। यह किरदार उन भूमिकाओं से काफी अलग था, जिनसे दर्शक अब तक उन्हें जोड़ते आए थे। हालांकि महत्वाकांक्षा, भावनात्मक जटिलताओं, संवेदनशीलता और मजबूती से पिरोए गए इस किरदार को निभाना उनके लिए बेहद मुश्किल था, लेकिन इसे उन्होंने एक चुनौती की तरह लिया और सच कर दिखाया।

सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने दमदार व्यक्तित्वों और प्रभावशाली परफॉर्मेंस से भरी कहानी में भी अपनी अलग मौजूदगी बनाए रखी। जहां शो में हाई-स्टेक ड्रामा और बड़े किरदारों का दबदबा था, वहीं कृति की परफॉर्मेंस कभी भी दबती हुई महसूस नहीं हुई। उन्होंने संयम और आत्मविश्वास के साथ अपने किरदार को निभाते हुए यह साबित किया कि प्रभाव छोड़ने के लिए हमेशा ऊंची आवाज़ या अत्यधिक नाटकीयता की जरूरत नहीं होती।

'राणा नायडू 2' ने कृति की उस खासियत को भी सामने लाया, जो शुरुआत से उनकी पहचान रही है, और वह थी खुद को हर परिस्थिति और किरदार के अनुसार ढाल लेने की क्षमता। बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं जो इतनी सहजता से भाषाओं, जॉनर और फॉर्मेट्स के बीच बदलाव कर पाते हैं। रोमांटिक एंटरटेनर्स और कॉमेडी फिल्मों से लेकर थ्रिलर्स और अब एक रॉ और ग्रिटी स्ट्रीमिंग ड्रामा तक, कृति ने लगातार खुद को नए रूप में पेश किया है, बिना अपनी सच्चाई और सहजता खोए। शायद यही कारण है कि कृति आज भी इंडस्ट्री की सबसे अंडररेटेड परफॉर्मर्स में से एक मानी जाती हैं।

उन्होंने कभी किसी एक इमेज या तय फॉर्मूले पर निर्भर रहने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय, उन्होंने चुपचाप एक विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी तैयार की, जहां हर किरदार खुद उनके काम की गवाही देता है। हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव ने दर्शकों को पारंपरिक लेबल्स से आगे बढ़कर कलाकारों को नए नजरिए से देखने का अवसर दिया है, और इसी के साथ 'राणा नायडू 2' ने एक बार फिर कृति की रेंज और स्क्रीन प्रेजेंस की याद दिलाई। इसने एक ऐसी अभिनेत्री को सामने रखा, जो जोखिम लेने से नहीं डरती, चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को अपनाती है और मनोरंजन जगत के बदलते दौर के साथ लगातार खुद को विकसित करती रहती है।

यही वजह है कि एक साल बाद भी 'राणा नायडू 2', कृति खरबंदा के करियर का एक अहम पड़ाव बना हुआ है, इसलिए नहीं कि इसने उन्हें दर्शकों से परिचित कराया, बल्कि इसलिए कि इसने सभी को फिर याद दिलाया कि वह क्या करने में सक्षम हैं। और अगर उनके हालिया प्रोजेक्ट्स कोई संकेत देते हैं, तो संभव है कि उनके करियर के सबसे बेहतरीन अध्याय अभी बाकी हैं।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं.ङ्क
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

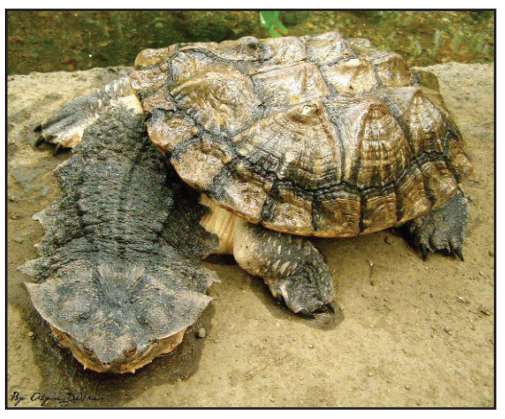

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत

कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

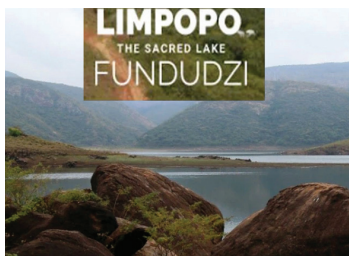

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैय़े लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ट इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.